जनता के गोठ

Website- https://www.jantakegoth.com

● वर्ष -01 ● अंक- 322 ● रायपुर, मंगलवार 17 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ- 12 ● मूल्य- 2 रुपया ● संपादक- शुभम वर्मा ● PRGI Reg No : CTBIL/25/A1787

संक्षिप्त समाचार

मुंबई के सीएसएमटी रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) रेलवे स्टेशन पर बम रखे जाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। धमकी की सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने रेलवे स्टेशन परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई। पुलिस के मुताबिक, शाम 6 बजकर 50 मिनट पर पुलिस कंट्रोल रूम को डायल 112 के जरिए एक धमकी भरा फोन आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने मोबाइल नंबर 9420112655 से फोन कर सीएसएमटी रेलवे स्टेशन पर बम रखे होने की सूचना दी और स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी। धमकी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। डॉग स्क्वॉड और बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

मतदाता सूची में गड़बड़ी मिली तो बीएलओ से ईआरओ तक नपेंगे जिम्मेदार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने के लिए निर्वाचन आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2027 के दौरान मतदाता सूची में गंभीर गड़बड़ियां मिलने पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) से लेकर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) तक की जवाबदेही तय होगी। लापरवाही और त्रुटियों की गंभीरता के आधार पर संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों के मानदेय में कटौती की जाएगी। बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर के एक माह तक, जबकि ईआरओ और एईआरओ के लगभग दो माह की अवधि के आनुपातिक मानदेय में अधिकतम कटौती की जा सकेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने शनिवार को प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने मतदाता सूची की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित परीक्षण, प्रभावी पर्यवेक्षण और प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए हैं।

रेलवे ट्रैक पर विस्फोट धमाके के मामले में एक महिला समेत दो लोग गिरफ्तार

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर में रामसिंहपुर के पास 50 जीबी के निकट रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट के सिलसिले में एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इनके अन्य साथियों को भी हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान देवेंद्र सिंह और महकदीप कौर के रूप में हुई है। ये दोनों पंजाब के गुरदासपुर के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार संदिग्धों से गहन पूछताछ चल रही है और कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है।

उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

छठ महापर्व हमारी सनातन संस्कृति और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम संगम

- मुख्यमंत्री श्री साय ने धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ कुनकुरी के छठ घाट में की भगवान सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना
- मुख्यमंत्री ने छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं सहित समस्त प्रदेशवासियों को दी महा पर्व की शुभकामनाएं

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज छठ महापर्व के पावन अवसर पर अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ जशपुर जिले के कुनकुरी स्थित छठ घाट में उगते सूर्यदेव को उषा अर्घ्य अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान सूर्यदेव और छठी मैया से प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, खुशहाली और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति की मंगलकामना की। इस अवसर पर उन्होंने छठ व्रतियों, श्रद्धालुओं सहित समस्त प्रदेशवासियों को लोक आस्था के महापर्व छठ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने छठ घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं और व्रती महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनके लिए अत्यंत सौभाग्य और प्रसन्नता का अवसर है कि उन्हें अपने कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में श्रद्धालुओं के बीच छठ महापर्व में सम्मिलित होकर भगवान सूर्यदेव की



आराधना करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व हमारी सनातन संस्कृति, अटूट लोक आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम संगम है। यह पर्व हमें जीवन के आधार सूर्य, जल और प्रकृति के प्रति श्रद्धा एवं आभार व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। छठ पूजा में निहित पवित्रता, अनुशासन, संयम, तप और समर्पण की भावना भारतीय संस्कृति की महान परंपराओं को प्रतिबिंबित करती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कुनकुरी सहित पूरे जशपुर अंचल में छठ महापर्व के प्रति लोगों की गहरी आस्था है। यहां यह पर्व पूरी श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। छठ महापर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक समरसता, पारिवारिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का भी महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि हमारी समृद्ध परंपराएं ही समाज को एकजुट रखने और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करती हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान सूर्यदेव और छठी मैया से प्रार्थना की कि उनकी कृपा से प्रदेश के प्रत्येक परिवार में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि बनी रहे। छत्तीसगढ़ विकास, प्रगति और खुशहाली के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे तथा सभी प्रदेशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा, आशा और सकारात्मकता का संचार हो। इस अवसर पर कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में छठ व्रती महिलाएं एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

छठ महापर्व पर मुख्यमंत्री ने कुनकुरी वासियों को दी 15.50 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री ने लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ के पावन अवसर पर कुनकुरी वासियों को विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने जशपुर प्रवास के दौरान नगर पंचायत कुनकुरी में लगभग 15 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से मल्टीपर्पस हॉल एवं सांस्कृतिक भवन निर्माण सहित छठ तालाब के विकास और कायाकल्प से जुड़े विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया। इन विकास कार्यों से कुनकुरी में नागरिक सुविधाओं का विस्तार होने के साथ ही सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों के लिए बेहतर अधोसंरचना उपलब्ध होगी। छठ महापर्व पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कुनकुरी वासियों को दी 15.50 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा तीसरा चक्रवात

छत्तीसगढ़ में 20, 21 नवंबर को हो सकती है बारिश.....

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में अगले कुछ दिनों में मौसम बदल सकता है। बंगाल की खाड़ी में एक और चक्रवाती सिस्टम विकसित होने की संभावना है। अर्नब और मुरासु के बाद अब तीसरे तूफान की आहट है। यदि मौजूदा सिस्टम चक्रवाती तूफान में तब्दील होता है, तो इसे 'अकवान' नाम दिया जाएगा। मौसम में इस बदलाव का असर छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में देखने को मिल सकता है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, रविवार को बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र डिप्रेशन में बदल गया है। अनुमान है कि यह सिस्टम अगले कुछ



दिनों में और ताकतवर हो सकता है। इसके चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि पिछले 13 वर्षों में ऐसा पहली बार हो सकता है, जब 20 दिनों के भीतर बंगाल की खाड़ी में तीन चक्रवाती सिस्टम विकसित हों।



पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर.एन. रवि और मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी रविवार, 15 नवंबर 2026 को कोलकाता स्थित लोक भवन में छठ पूजा समारोह के दौरान शामिल हुए।

फिलीपींस में पीएम मोदी का भव्य स्वागत

आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर रविवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंच गए। मनीला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका भव्य स्वागत किया गया। फिलीपींस के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव रॉबर्ट जोसेफ मोंटेस डी क्लारो ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। पीएम मोदी को देखते ही वहां मौजूद लोगों ने 'मोदी-मोदी' के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस दौरान 'भारत माता की जय' के नारे भी गूंजे। बच्चों ने संस्कृत के श्लोक पढ़कर प्रधानमंत्री का



स्वागत किया। पीएम मोदी ने लोगों से हाथ मिलाया और उनका अभिवादन किया। कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुत किया और प्रधानमंत्री के स्वागत में रंगोली भी बनाई गई।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत से क्यों भिड़ा वकील

वकील ने कहा कि वह इस पद पर बैठने के लायक नहीं हैं.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक असाधारण घटना हुई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले एक वकील को कोर्टरूम से बाहर निकाल दिया गया। वकील ने सुनवाई के दौरान सीजेआई से कहा कि वह इस पद पर बैठने के लायक नहीं हैं और उनमें इस पद के लिए जरूरी ईमानदारी नहीं है। यह घटना तब हुई, जब वकील ने अपने मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की। वकील ने कहा कि 2 नवंबर को उन्होंने अपना मामला



सीजेआई सूर्यकांत के कार्यालय में रखा था, लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। बताया जा रहा है कि वकील अपने खिलाफ चल रहे अवमानना मामले को लेकर नाराज थे। वकील ने दोपहर 2 बजे बिना निर्धारित प्रक्रिया के मामले का जिक्र करने के लिए शुरुआत में माफी मांगी। इसके बाद वकील ने सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की पीठ से अपने दस्तावेज देखने का अनुरोध किया। वकील ने कहा, यह मामला 2 नवंबर को जस्टिस सूर्यकांत के कार्यालय में दिया गया था। 15 दिन बाद भी उन्होंने मुझे जवाब नहीं दिया। इसलिए मैं इस अदालत के सामने आने के लिए मजबूर हूं। इस पर जस्टिस वी. मोहन ने उन्हें टोकते हुए कहा कि इस तरह की बात अदालत में नहीं कही जा सकती।

रक्षा क्षेत्र में आत्म निर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, रणनीतिक जरूरत भी-राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, बल्कि रणनीतिक जरूरत भी है। यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि भारत ने मिसाइल विकास, नौसैनिक प्लेटफॉर्म, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, रडार प्रणालियों और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। ये उपलब्धियां देश के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उत्पादन एजेंसियों और उद्योग जगत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को दर्शाती हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गैर-विनाशकारी मूल्यांकन एवं सहायक तकनीकों पर आयोजित 36वें वार्षिक सम्मेलन और एयरोस्पेस क्षेत्र से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

महादेव सट्टा केस में बड़ा अपडेट

रवि-विकास को लाने दुबई पहुंची सीबीआई और ईडी की विशेष टीम

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के दो बहुचर्चित शराब घोटाले और महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के बाद अब विदेश में बैठे आरोपियों को भी भारत लाने की कवायद तेज हो गई है। शराब घोटाले के आरोपी विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू और महादेव सट्टा प्रकरण के सह-प्रमोटर रवि उप्पल को दुबई से भारत लाने के लिए जांच एजेंसियां ने तैयारी तेज कर दी है। इसके लिए विदेश मंत्रालय के समन्वय से सीबीआई और प्रवर्तन



निदेशालयकी टीमें दुबई पहुंची हैं। जांच एजेंसियां दोनों आरोपियों को भारत लाने के लिए कानूनी और कूटनीतिक औपचारिकताएं पूरी करने में जुटी हैं। सूत्रों के मुताबिक, प्रत्यर्पण से संबंधित जरूरी दस्तावेजों और प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके लिए इंटरपोल और दुबई प्रशासन के साथ समन्वय किया जा रहा है। प्रत्यर्पण की मंजूरी मिलने के बाद दोनों आरोपियों को भारत लाया जा सकता है। इसके बाद उन्हें रायपुर की विशेष अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लेने की तैयारी है।विकास अग्रवाल उर्फसुब्बू से शराब घोटाले में कथित वित्तीय लेन-देन, अन्य आरोपियों के साथ संपर्क और पूरे नेटवर्क को लेकर पूछताछ की जा सकती है। वहीं, महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले में रवि उप्पल से नेटवर्क के संचालन, पैसों के लेन-देन और विदेशों में फैले कथित कारोबार से जुड़े सवाल किए जाने की संभावना है।

एसआईआर पर 48 सवाल- सुप्रीम कोर्ट से मांगी अनुमति

सीईसी समेत तीनों चुनाव आयुक्तों से अलग-अलग जवाब चाहता है इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली। एजेंसी

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग और विपक्षी दलों के बीच विवाद लगातार गहराता जा रहा है। अब इंडिया गठबंधन ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में नई अर्जी दाखिल की है। विपक्षी दलों ने अदालत से चुनाव आयोग के अधिकारियों से औपचारिक रूप से 48 सवाल पूछने की अनुमति मांगी है। इन सवालों के जरिए विपक्ष स्ट्रक्र की शुरुआत, चुनाव आयोग के फैसलों, सिस्टम और मतदाता सूची में किए गए बदलावों से जुड़े तथ्यों पर जवाब चाहता है। सोमवार को दाखिल आवेदन में याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने जवाब में कई दावे तो किए हैं, लेकिन उनके समर्थन में पर्याप्त तथ्य और दस्तावेज पेश नहीं किए। विपक्ष का कहना है कि एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण रिकॉर्ड केवल चुनाव आयोग के पास उपलब्ध हैं। इसलिए आयोग के अधिकारियों से औपचारिक सवाल पूछना जरूरी है। इंडिया गठबंधन के याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट के सामने 48 सवाल रखे हैं। वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी समेत चुनाव आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से इन सवालों के जवाब चाहते हैं। इसमें उप चुनाव आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से जुड़े अधिकारियों की भूमिका पर भी जानकारी मांगी गई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इन सवालों का मकसद चुनाव आयोग के



दावों की जांच करना और आधिकारिक रिकॉर्ड के आधार पर सच्चाई सामने लाना है। यह किसी आधारहीन जांच की मांग नहीं है। विपक्ष के सबसे अहम सवालों में से एक यह है कि पूरे देश में विशेष गहन पुनरीक्षण कराने का फैसला आखिर किसने लिया था? याचिकाकर्ता जानना चाहते हैं कि चुनाव आयोग ने देशभर में एसआईआर कराने का निर्णय कब और किस प्रक्रिया के तहत लिया। क्या इस पर आयोग की औपचारिक बैठक हुई थी या फाइल के माध्यम से मंजूरी दी गई थी? क्या सभी चुनाव आयुक्त इस फैसले पर सहमत थे? विपक्ष ने चुनाव आयोग के 2025 के उस आदेश और बाद में आरटीआई के तहत मिले जवाब के बीच कथित विरोधाभास पर भी सवाल उठाए हैं। याचिकाकर्ताओं के मुताबिक, एक तरफआयोग ने पूरे देश में एसआईआर कराने का आदेश जारी किया, जबकि आरटीआई के जवाब में इस फैसले से संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने की बात कही गई। इसलिए विपक्ष ने प्रत्येक एसआईआर आदेश से संबंधित फाइल नंबर, निर्णय की तारीख, मंजूरी की प्रक्रिया और प्रत्येक सदस्य की सहमति का रिकॉर्ड मांगा है। एसआईआर विवाद में चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेद भी बड़ा मुद्दा बन गए हैं। विपक्षी दल जानना चाहते हैं कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने एसआईआर,फार्म 6 और अपील से जुड़े मामलों में कितनी बार लिखित रूप से अपनी असहमति या आपत्ति दर्ज कराई थी।

फार्म 6 में बदलाव और नए मतदाताओं के आवेदन पर सवाल

ऑनलाइन फार्म 6 की प्रक्रिया भी विपक्ष के सवालों के घेरे में है। फार्म 6 का इस्तेमाल मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम शामिल कराने के लिए किया जाता है। याचिकाकर्ताओं ने पूछा है कि ऑनलाइन फार्म 6 में अतिरिक्त घोषणा-पत्र जोड़ने का फैसला किसने लिया और इसे किस स्तर पर मंजूरी दी गई। इसके अलावा उन्होंने उन आवेदनों की संख्या भी मांगी है जिन्हें घोषणा-पत्र या मैपिंग से जुड़ी जानकारी नहीं देने के कारण खारिज कर दिया गया या लंबित रखा गया। विपक्ष ने पश्चिम बंगाल में न्यायिक अधिकारियों द्वारा मतदाता सूची में नाम शामिल करने के दिए गए आदेशों के खिलाफचुनाव आयोग की ओर से दायर अपीलों का भी ब्योरा मांगा है। याचिकाकर्ता जानना चाहते हैं कि ऐसी कितनी अपीलें दाखिल की गईं।

ग्राम झीट में सजेगा खेलों का महाकुंभ: राज्य स्तरीय 'एडवेंचर ट्रॉफी सीजन-3' 27 नवंबर से

तीन दिवसीय सब-जूनियर खो-खो टूर्नामेंट में जुटेंगे प्रदेश भर के 400 खिलाड़ी, मार्च पास्ट और आतिशबाजी के साथ होगा भव्य आगाज

झीट (पाटन) जनता के गोठ । छत्तीसगढ़ के ग्रामीण खेल जगत में एक बार फिर रोमांच और उत्साह का नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। पाटन विकासखंड के ग्राम झीट में एडवेंचर खो-खो क्लब के तत्वावधान में राज्य स्तरीय सब-जूनियर खो-खो टूर्नामेंट 'एडवेंचर ट्रॉफी सीजनङ्क3' का भव्य आयोजन 27 से 29 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस खेल महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 20 टीमों के 400 उभरते खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाएंगे।

मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और आतिशबाजी से होगा आगाज

प्रतियोगिता को इस वर्ष पहले से अधिक भव्य और यादगार बनाने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। 27 नवंबर को उद्घाटन अवसर पर सभी टीमों के खिलाड़ियों द्वारा अनुशासित मार्च पास्ट निकाला जाएगा। इसके साथ ही स्थानीय स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। पहले दिन शाम को होने वाली आकर्षक आतिशबाजी दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी।



तीन दिन ऐसा रहेगा खेलों का रोमांच

- 27 नवंबरः भव्य उद्घाटन समारोह, टीमों का परिचय, मार्च पास्ट एवं शुरुआती मुकाबले।
- 28 नवंबरः दिन भर चलने वाले रोमांचक लीग और नॉकआउट मुकाबले।
- 29 नवंबरः सेमीफाइनल, खिताबी (फाइनल) मुकाबले एवं भव्य समापन व पुरस्कार वितरण समारोह।



आकर्षक नकद पुरस्कारों से बढ़ेगा खिलाड़ियों का उत्साह

प्रतियोगिता में विजेता और उपविजेता टीमों के साथ-साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए आकर्षक नकद पुरस्कार एवं व्यक्तिगत सम्मान रखे गए हैं: बालक वर्ग: प्रथम पुरस्कार 22,222, द्वितीय 15,555, तृतीय 7,777, चतुर्थ 5,555 तथा पंचम पुरस्कार 3,333। - बालिका वर्ग: प्रथम पुरस्कार 15,555, द्वितीय 7,777, तृतीय 5,555 तथा चतुर्थ पुरस्कार 3,333।

वर्ष 2014 से राष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार कर रहा है क्लब

उल्लेखनीय है कि एडवेंचर खो-खो क्लब झीट वर्ष 2014 से ग्रामीण अंचल की खेल प्रतिभाओं को निखारने में जुटा है। क्लब के मैदान में प्रतिदिन लगभग 100 खिलाड़ी नियमित अभ्यास करते हैं। इसी मेहनत का परिणाम है कि यहां से हर साल 10 से 15 खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

पूरे गांव की एकजुटता बनी आयोजन की ताकत

इस राज्य स्तरीय आयोजन को लेकर ग्राम झीट में उत्सव जैसा माहौल है। तैयारियों में ग्राम पंचायत, महिला समूहों, विभिन्न सामाजिक संगठनों और ग्रामवासियों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। क्लब के पदाधिकारियों, सदस्यों और खिलाड़ियों ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, खेल प्रेमियों एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

कवर्धा में अधेड़ की संदिग्ध मौत पर बवाल, महिला दुकानदार पर हत्या का आरोप

कवर्धा। शहर के मिनीमाता चौक में एक अधेड़ व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। मृतक के परिजनों ने एक महिला दुकानदार पर मारपीट कर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना से आक्रोशित परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में कवर्धा कोतवाली थाना पहुंच गए और महिला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार, ग्राम रेंगाखार निवासी शिवकुमार वाचकर किसी काम से कवर्धा आया हुआ था। इसी दौरान मिनीमाता चौक स्थित एक महिला की दुकान पर सामान खरीदने के दौरान किसी बात को लेकर उसका महिला से विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान महिला ने प्लास्टिक की कुर्सी उठाकर शिवकुमार पर हमला कर दिया। घटना के कुछ देर बाद दिनेश अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा।

आनन-फानन में उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत





घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में लोग कोतवाली थाने पहुंच गए और महिला दुकानदार के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने की मांग करने लगे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

डीएसपी आशीष शुक्ला के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रेवाबंध तालाब का होगा कायाकल्प, 3 करोड़ 80 लाख की लागत से बनेगी भव्य 'कृष्ण वाटिका'

कृष्ण वाटिका से संवरेगा कवर्धा शहर, धार्मिक आस्था के साथ हरियाली और आधुनिक सुविधाओं का होगा संगम

कवर्धा। धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक आस्था की नगरी कवर्धा के सौंदर्यीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की मंशानुरूप शहर के ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण रेवाबंध तालाब का कायाकल्प करते हुए यहां 3 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से भव्य एवं आकर्षक 'कृष्ण वाटिका' विकसित की जाएगी। इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के लिए निविदा जारी कर दी गई है। निविदा में भाग लेने की अंतिम तिथि 19 नवंबर निर्धारित की गई है।

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद द्वारा शहर के प्रमुख स्थलों के विकास, कायाकल्प और सौंदर्यीकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भव्य हनुमंत वाटिका के बाद अब रेवाबंध तालाब में कृष्ण वाटिका का निर्माण कवर्धा शहर को एक नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

'कृष्ण वाटिका' में दिखेगा आस्था, प्रकृति और आधुनिकता का संगम ङ्क चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि कवर्धा केवल विकास के मामले में आगे बढ़े, ऐसा ही नहीं बल्कि शहर की पहचान उसकी धार्मिक आस्था, संस्कृति, हरियाली और सुंदरता से भी होनी चाहिए। इसी सोच के साथ रेवाबंध तालाब का कायाकल्प कर इसे एक आकर्षक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

कृष्ण वाटिका को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करने के साथ यहां हरियाली, सुंदर पाथवे, पुष्प सज्जा, बैठने की व्यवस्था, आकर्षक विद्युत प्रकाश, बच्चों के लिए झूले, ओपन जिम सहित नागरिकों के उपयोग की आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। यह वाटिका शहरवासियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेगी।



सुबह-शाम स्वास्थ्य और सुकून का केंद्र बनेगा रेवाबंध तालाब

कृष्ण वाटिका को केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे नागरिकों के लिए उपयोगी सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। सुबह और शाम शहरवासी यहां टहलने, बैठने और प्रकृति के बीच समय बिताने का आनंद ले सकेंगे। हरियाली से भरपूर वातावरण वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, युवाओं और बच्चों के लिए भी उपयोगी साबित होगा।

कवर्धा की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को मिलेगी नई मजबूती

कवर्धा की पहचान धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी के रूप में प्रदेशभर में है। भोरमदेव मंदिर, बूढ़ामहादेव सहित अनेक धार्मिक स्थलों से जुड़ी आस्था को देखते हुए रेवाबंध तालाब में भगवान श्रीकृष्ण के नाम पर विकसित होने वाली यह वाटिका शहर के सौंदर्यीकरण और धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान को और मजबूती प्रदान करेगी।

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि कवर्धा की पहचान केवल एक सुंदर शहर के रूप में नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और संस्कारों से जुड़े शहर के रूप में भी होनी चाहिए। हमारा प्रयास है कि शहरवासियों को ऐसे सुंदर और व्यवस्थित स्थान मिलें, जहां वे परिवार के साथ सुकून के पल बिता सकें।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की मंशा के अनुरूप लगातार हो रहा शहर का विकास

उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा द्वारा कवर्धा शहर के समग्र विकास, सौंदर्यीकरण और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने पर लगातार जोर दिया जा रहा है। उनकी मंशा के अनुरूप नगर पालिका परिषद द्वारा शहर में विकास कार्यों को गति दी जा रही है।

हनुमंत वाटिका के बाद अब 3 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से रेवाबंध तालाब में कृष्ण वाटिका का विकास इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। निविदा जारी होने के साथ ही इस परियोजना की प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है। 19 नवंबर निविदा में भाग लेने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर रेवाबंध तालाब कवर्धा शहर के प्रमुख आकर्षण और नागरिकों के लिए मनोरंजन एवं सुकून के नए केंद्र के रूप में विकसित होगा

खड़े ट्रेलर से टकराई रॉयल यात्री बस: 2 यात्रियों की मौत, 6 घायल, गंभीर हालत में एक रायपुर रेफर

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में रविवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। कटघोरा थाना क्षेत्र के तानाखार स्थित अनूप ढाबा के पास रायपुर से अंबिकापुर जा रही रॉयल यात्री बस सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। इस दर्दनाक हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में एक की हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रॉयल यात्री बस रायपुर से यात्रियों को लेकर अंबिकापुर की ओर जा रही थी। रविवार तड़के करीब 3 बजे जब बस कटघोरा थाना क्षेत्र के तानाखार स्थित अनूप ढाबा के पास पहुंची, तभी सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, बस चालक ट्रेलर को समय रहते नहीं देख पाया, जिसके कारण यह हादसा हुआ। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में दो यात्रियों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। वहीं छह यात्री घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही घायलों को तत्काल कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि एक घायल यात्री की स्थिति गंभीर है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। अन्य पांच घायलों का उपचार कटघोरा सीएचसी में जारी है। सड़क हादसे की सूचना मिलते ही कटघोरा पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

नक्सलवाद कमजोर पड़ने के बाद बस्तर से सुरक्षाबलों की वापसी शुरू, एक हजार से अधिक जवान मणिपुर भेजे जाएंगे

कवर्धा: छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए गए अभियान में मिली सफलता के बाद अब बस्तर में तैनात सुरक्षाबलों की वापसी का सिलसिला शुरू हो गया है। लंबे समय तक नक्सल प्रभावित रहे बस्तर संभाग में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ के जवानों को अब दूसरे राज्यों में भेजा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, बस्तर में तैनात एक हजार से अधिक जवानों को मणिपुर भेजने की तैयारी है। वहीं, आने वाले एक महीने के भीतर कुछ और बटालियनों को भी बस्तर से वापस बुलाया जा सकता है।

दरअसल, छत्तीसगढ़ में



नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों ने लगातार अभियान चलाकर बड़ी सफलता हासिल की है। इसके बाद बस्तर में सुरक्षाबलों की तैनाती की जरूरत और मौजूदा परिस्थितियों की समीक्षा की जा रही है। इसी के तहत अब केंद्रीय बलों की तैनाती में बदलाव किया जा रहा है।

इस पूरे मामले पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब इन बलों की पहले जैसी आवश्यकता नहीं रह गई है। परिस्थितियों के अनुसार सुरक्षाबलों को दूसरे स्थानों पर भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी बस्तर से जवानों को अलग-अलग स्थानों पर भेजा जा चुका है।

नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में मिली सफलता के बाद बस्तर से केंद्रीय बलों की वापसी को प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था के बदलते हालात के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, बस्तर में स्थानीय पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती के जरिए कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी बनी रहेगी।

2 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार, पुलिस भर्ती में हाईट बढ़ाने का झांसा देकर 30 हजार का किया था ठगी

कवर्धा। पुलिस भर्ती में निर्धारित शारीरिक ऊंचाई (हाईट) में छूट दिलाने का झांसा देकर युवती से 30 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने वाले फरार आरोपी को कबीरधाम पुलिस ने करीब दो साल बाद अंबिकापुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने युवती से ऑनलाइन और नगद माध्यम से रकम ली थी, लेकिन उसे किसी प्रकार की छूट नहीं दिलाई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, फुलवारी चौक कवर्धा निवासी कुमारी निर्मला साहू, वर्तमान निवासी चांदनी बिहारपुर, जिला सूरजपुर ने 21 जुलाई 2024 को थाना सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी चंदन टोप्पो ने 5 से 17 फरवरी 2024 के



बीच पुलिस भर्ती में निर्धारित हाईट में छूट दिलाने का भरोसा देकर उससे ऑनलाइन और नगद माध्यम से कुल 30 हजार रुपये लिए थे। इसके बावजूद आरोपी ने न तो छूट दिलाई और न ही अपना वादा पूरा किया। शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 482/2024 के तहत धारा 420 भादवि में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी चंदन टोप्पो (37 वर्ष), निवासी गौवधनपुर, वसुंधरा कॉलोनी, अंबिकापुर को गिरफ्तार किया। वह मूल रूप से बांधपारा, करसी, थाना प्रतापपुर, जिला सूरजपुर का निवासी है। पूछताछ में आरोपी ने धोखाधड़ी करना स्वीकार किया। पुलिस के अनुसार, उसने प्रार्थिया के बैंक खाते में 30 हजार रुपये के साथ अतिरिक्त 5,700 रुपये की राशि भी वापस करना बताया है।

पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार और अमित पटेल के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई है।

10 हजार रुपये लेकर बैंक खाता दोस्त को दिया, 14 साइबर ठगी के मामलों में हुआ 6.64 लाख का लेनदेन

कवर्धा। कबीरधाम जिले में साइबर ठगी के लिए फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने महज 10 हजार रुपये के लालच में अपना बैंक खाता दोस्त को इस्तेमाल करने के लिए दे दिया था। जांच में उसके बैंक खाते के माध्यम से विभिन्न राज्यों के 14 साइबर फ्रॉड मामलों से जुड़े कुल 6 लाख 64 हजार 322 रुपये के लेनदेन का खुलासा हुआ है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, समन्वय पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की जांच के दौरान थाना पिपरिया क्षेत्र के शिव प्रकाश चंद्रवंशी के बैंक खाते में साइबर ठगी की रकम के लेनदेन की जानकारी सामने आई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के निर्देश पर थाना पिपरिया और साइबर पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की।

पुलिस ने अपराध क्रमांक 389/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(4) और 318(2) में मामला दर्ज कर आरोपी शिव प्रकाश चंद्रवंशी पिता



सुरेश कुमार चंद्रवंशी, निवासी पिपरिया को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने एक दोस्त से 10 हजार रुपये लेकर अपना बैंक खाता उसे इस्तेमाल करने के लिए दिया था। इसी खाते के जरिए अलग-अलग राज्यों में दर्ज 14 साइबर ठगी के मामलों से संबंधित 6,64,322 रुपये का लेनदेन किया गया। पुलिस ने आरोपी की संलिप्तता पाए जाने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी पिपरिया निरीक्षक नितिन कुमार तिवारी, साइबर थाना प्रभारी उमाशंकर राठौर, उपनिरीक्षक चंद्रकांत तिवारी सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

पुलिस की अपीलः कबीरधाम पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि पैसों या कमीशन के लालच में किसी को भी अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, चेकबुक या बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी न दें। ऐसे खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम के लेनदेन में किया जा सकता है और खाताधारक भी कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं।

वरिष्ठजनों का अनुभव और मार्गदर्शन समाज के लिए अनमोल धरोहर- उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

कवर्धा में छत्तीसगढ़ वरिष्ठ नागरिक कॉन्फेडरेशन का सातवां प्रादेशिक सम्मेलन का हुआ आयोजन

उप मुख्यमंत्री ने 'अनुभूति' पत्रिका का किया विमोचन

कवर्धा में 30 लाख की लागत से तैयार हो रहा सियान सदन, वरिष्ठजनों को मिलेगी विशेष सुविधा

महबूब खान/ कवर्धा- उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने कहा कि वरिष्ठजन समाज की अनमोल धरोहर हैं। उनका अनुभव, मार्गदर्शन, आशीर्वाद और जीवनभर का अर्जित ज्ञान पूरे समाज को दिशा देने का काम करता है। आज तेजी से बदलते सामाजिक परिवेश में वरिष्ठजनों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। उनके अनुभव और संस्कार समाज को संबल प्रदान करते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा आज कबीरधाम जिले के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ वरिष्ठ नागरिक कॉन्फेडरेशन के सातवें प्रादेशिक सम्मेलन-2026 को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 'अनुभूति' पत्रिका का विमोचन भी



किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अनेक कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिलता है, लेकिन यह ऐसा आयोजन है, जहां वे कुछ देने नहीं, बल्कि वरिष्ठजनों से आशीर्वाद, प्रेरणा और मार्गदर्शन लेने आए हैं। उन्होंने कहा कि जीवन के लंबे अनुभव के बाद वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए उस ब्याज के समान हैं, जो मूल से भी अधिक प्रिय हो जाता है। उन्होंने कहा कि पहले लोग एक साथ बैठकर समय बिताते थे, लेकिन आज मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव से सामाजिक मेलजोल कम हुआ है। तेजी से बदलते इस दौर में वरिष्ठजनों का अनुभव और संस्कार समाज को संबल प्रदान कर सकते हैं।

30 लाख रुपए की लागत से तैयार हो रहा सियान सदन- उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि कवर्धा के वरिष्ठजनों की प्रेरणा और सुझाव पर शहर में सियान सदन का निर्माण प्रारंभ कराया गया है। इसके लिए लगभग 30 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि सियान सदन का निर्माण उसी स्थान पर कराया जा रहा है, जिसे वरिष्ठजनों ने स्वयं इसके लिए उपयुक्त बताया था। उन्होंने कहा कि सियान सदन वरिष्ठ नागरिकों के लिए समय बिताने, आपस में मिलने-जुलने और विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का बेहतर केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि सियान सदन में वरिष्ठजन कैरम, शतरंज, अध्ययन और अन्य गतिविधियों के माध्यम से समय बिता सकेंगे। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए भविष्य में बैटरी चलित छोटे वाहन की व्यवस्था करने की योजना भी साझा की। इसके माध्यम से वरिष्ठजन फोन कर वाहन बुला सकेंगे और घर से सियान सदन आने-जाने की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे।

वरिष्ठजनों की यादों में हमेशा जीवित रहता है बचपन- उप मुख्यमंत्री ने परिवार के भावनात्मक रिश्तों का उल्लेख करते हुए कहा कि मां के लिए बेटा उम्र में कितना भी बड़ा हो जाए, वह हमेशा उसका छोटा बच्चा ही रहता है। उन्होंने वरिष्ठजनों से आग्रह किया कि बचपन की प्यारी यादों को संजोकर रखें, क्योंकि यही यादें जीवन में प्रसन्नता और आत्मिक सुकून देती हैं।

उन्होंने सम्मेलन के कवर्धा में आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आयोजकों को बधाई दी और वरिष्ठजनों को सियान सदन के निर्माण के बाद वहां भी इसी तरह सम्मेलन आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत कबीरधाम के अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, कॉन्फेडरेशन के प्रांतीय अध्यक्ष चंद्रप्रकाश देवरस, प्रांतीय महासचिव धनेश सोलंकी, डॉ. अतुल जैन, शुभंकर विश्वास और लालचंद जैन, आदित्य श्रीवास्तव सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए वरिष्ठ नागरिक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इस वर्ष धरसींवा परिसर में अलग स्थान पर होगी खरीदी, अगले खरीफ सत्र से परसतराई में संचालित होगा केंद्र

परसतराई धान खरीदी केंद्र का विधायक अनुज शर्मा ने किया शुभारंभ, तीन गांवों के किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

धरसींवा जनता के गोठ । क्षेत्र के किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने रविवार को परसतराई धान खरीदी केंद्र का विधिवत पूजा-अर्चना और फीता काटकर शुभारंभ किया। इस नए केंद्र की शुरुआत से परसतराई सहित आसपास के गांव बरतनारा और मुरेठी के सैकड़ों किसानों को धान बेचने के लिए होने वाली भारी भीड़ और लंबी प्रतीक्षा से राहत मिलेगी।



इस सत्र में धरसींवा परिसर में की गई वैकल्पिक व्यवस्था

उद्घाटन अवसर पर केंद्र के संचालन की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए बताया गया कि किसानों की तत्काल सुविधा को देखते हुए इस वर्ष धान की खरीदी धरसींवा केंद्र परिसर में ही एक अलग और समर्पित स्थान पर की जाएगी। वहीं, आगामी खरीफ वर्ष से परसतराई में ही पूर्ण रूप से धान खरीदी संचालित होगी। किसानों की सुविधा के लिए केंद्र में तौल, बारदाना वितरण और परिवहन से जुड़े सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि खरीदी प्रक्रिया सुगम और पारदर्शी बनी रहे।

अंतिम पंक्ति के किसान तक लाभ पहुंचाना प्राथमिकता : अनुज शर्मा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने क्षेत्रवासियों और किसानों को नए केंद्र की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी मेहनत का सम्मान करते हुए उन्हें हर संभव सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विधायक ने कहा कि पहले परसतराई, बरतनारा और मुरेठी के किसानों को धान बेचने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी, जिससे समय और संसाधन दोनों की बर्बादी होती थी। अब इस नई व्यवस्था से किसानों का समय बचेगा और अंतिम पंक्ति में खड़े किसान तक योजनाओं का सीधा लाभ निर्बाध रूप से पहुंचेगा।

जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में किसान रहे मौजूद

इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष शकुंतला ढिलेंद्र सेन, धरसींवा प्राधिकृत अध्यक्ष कौशल साहू, संतोष वर्मा, अनुपमा वर्मा सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समिति के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में स्थानीय किसान उपस्थित रहे। ग्रामीणों और किसानों ने इस नई सुविधा के लिए विधायक का आभार जताया।

डीएड अभ्यर्थियों की नियुक्ति पर हठधर्मिता छोड़े सरकार, तत्काल जारी हो आदेश : कांग्रेस

जनता के गोठ

रायपुर, 16 नवंबर। सहायक शिक्षक के 2,300 से अधिक पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर आंदोलित डीएड (द्वि.श्वस्त्र.) अभ्यर्थियों के समर्थन में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी खुलकर सामने आ गई है। कांग्रेस ने राज्य सरकार पर संवेदनहीनता और हठधर्मिता का आरोप लगाते हुए मांग की है कि मानवीय रवैया अपनाकर अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश तत्काल जारी किए जाएं। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि 330 दिनों तक शांतिपूर्ण धैर्य रखने के बाद जब अभ्यर्थी सपरिवार अपनी गुहार लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के बंगले पहुंचे, तो सरकार ने उनकी समस्या सुनने के बजाय पुलिस बल का प्रयोग किया। अभ्यर्थियों को जबरन बसों में भरकर ले जाना लोकतांत्रिक



अधिकारों का खुला हनन है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के समय युवाओं को एक लाख सरकारी रोजगार का सपना दिखाने वाली भाजपा सरकार अब नौकरी मांगने पर पुलिस की लाठियां दे रही है।

कोर्ट के आदेश और समायोजन के बाद भी देरी पर सवाल-वंदना राजपूत ने सरकार की प्रशासनिक कार्यक्षमता पर सवाल उठाते हुए कहा कि ये अभ्यर्थी परीक्षा उत्तीर्ण कर चयनित हुए हैं और अदालत ने भी इनकी नियुक्ति के संदर्भ में स्पष्ट आदेश दिए हैं। सरकार ने इनकी नियुक्ति का रास्ता साफकरने के लिए पूर्व में चयनित बीएड (क्रश्वस्त्र.) अभ्यर्थियों को बर्खास्त कर उनका अन्यत्र समायोजन भी कर दिया है। ऐसे में डीएड अभ्यर्थियों की नियुक्ति में विलंब समझ से परे है, जबकि प्रदेश के स्कूलों में शिक्षकों के 57 हजार से अधिक पद रिक्त पड़े हैं।

आंदोलनकारियों की बिगड़ रही तबीयत, इलाज की मांग-कांग्रेस प्रवक्ता ने चिंता जताई कि माना-तूता धरना स्थल पर लगभग एक वर्ष से खुले आसमान के नीचे रात-दिन आंदोलन करने, मौसम की मार और मानसिक तनाव के कारण कई अभ्यर्थियों का स्वास्थ्य बिगड़ गया है।

पूर्व पोस्ट मास्टर के.पी. पानीग्राही को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि, डाक विभाग ने बताया अपूरणीय क्षति

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर। भारतीय ग्रामीण डाक कर्मचारी संघ, बस्तर संभाग द्वारा 15 नवंबर 2026 को संघ कार्यालय जगदलपुर में पूर्व पोस्ट मास्टर स्वर्गीय के.पी. पानीग्राही को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नम आंखों से उन्हें याद करते हुए उनके योगदान को नमन किया।

श्रद्धांजलि सभा में हेमंत कुमार पांडे, राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं छत्तीसगढ़ परिमंडल सचिव तथा संभागीय सचिव, बस्तर संभाग, भारतीय ग्रामीण डाक कर्मचारी संघ ने स्वर्गीय पानीग्राही के जीवन वृत्तांत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पानीग्राही जी का निधन डाक विभाग और बस्तर संभाग के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका व्यक्तित्व, कार्यशैली और विभाग के प्रति समर्पण हमेशा स्मरणीय रहेगा। उन्होंने अपने सेवाकाल में विभाग के प्रति महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसे भुलाया नहीं जा सकता।

सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण



किया तथा ईश्वर से शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर डीकेश पांडे, लिमधर सिन्हा, रामकृष्ण मिश्रा, आशीष बरगाह, विपिन सिंह, अनिल सेठिया, अनिल साहू, जशराज लहरें, सुप्रिया साहू, सोन सिंह मांझी सहित भारतीय ग्रामीण डाक कर्मचारी संघ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गांजा तस्करी का फरार पांचवां आरोपी मध्यप्रदेश से गिरफ्तार, 22.53 लाख की संपत्ति जब्त

कवर्धा। कबीरधाम जिले में गांजा तस्करी के मामले में फरार चल रहे पांचवें आरोपी को चिल्फी पुलिस ने मध्यप्रदेश के पन्ना जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मोहम्मद अजमेरी खान (25 वर्ष), निवासी लटोरिया मोहल्ला, थाना पवई, जिला पन्ना (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस पहले ही चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। कार्रवाई के दौरान 18.539 किलोग्राम गांजा, दो कार और चार मोबाइल फोन सहित कुल 22 लाख 53 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की गई थी। पुलिस के अनुसार, 26 सितंबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिलने पर चिल्फी पुलिस ने क्षेत्र में नाकाबंदी की थी। इस दौरान दो कारों से गांजा परिवहन करते हुए जोगेन्द्र राजा, केशव राजा, रविराज



सिंह परिहार और सौरभ सिंह बुंदेला को गिरफ्तार किया गया था। कार्रवाई के दौरान मोहम्मद अजमेरी खान पुलिस चेकपोस्ट देखकर वाहन से उतरकर जंगल की ओर फरार हो गया था।

विवेचना के दौरान गिरफ्तार आरोपियों के बयान में मोहम्मद अजमेरी खान की संलिप्तता सामने आई। इसके बाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। मुखबिर की सूचना और साइबर सेल की मदद से पुलिस ने 13 नवंबर को उसे मध्यप्रदेश के पवई से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पांचों ने मिलकर ओडिशा के नुआपाड़ा से गांजा लाकर मध्यप्रदेश के पवई क्षेत्र में बेचने की योजना बनाई थी। साथियों की गिरफ्तारी के बाद उसने डर के कारण पहले इस्तेमाल की जा रही दोनों सिम तोड़कर फेंक दी थीं। आरोपी के कब्जे से नथिंग कंपनी का एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के निर्देशन में थाना प्रभारी चिल्फी निरीक्षक बीरेंद्र वर्मा, साइबर थाना और चिल्फी पुलिस टीम ने की।

तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस की सौगात : वनमंत्री केदार कश्यप के प्रयासों से मिल रहा आर्थिक संबल

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से भी हज़ारों परिवारों को लाभ

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए 15 नवंबर का दिन खुशियों और आर्थिक राहत की सौगात लेकर आया। रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस के राज्यस्तरीय समारोह के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रोत्साहन पारिश्रमिक (बोनस) वितरण का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में वर्ष 2024 में लाभ में रही 386 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के 4,25,507 संग्राहकों को कुल 62.27 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। इस अवसर पर प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप समेत मंत्रीगण,



जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार वनांचल में रहने वाले आदिवासी एवं परंपरागत वनवासी परिवारों की आर्थिक समृद्धि और सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े परिवारों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में तेंदूपत्ता संग्रहण ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों के लाखों परिवारों की आजीविका का महत्वपूर्ण साधन है। ऐसे में वन मंत्री श्री केदार कश्यप के प्रयासों से छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा तेंदूपत्ता तथा अन्य अराष्ट्रीयकृत लघु वनोपज के संग्रहण एवं विपणन की व्यवस्था को लगातार मजबूत किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार की इस पहल से प्रदेश के लाखों वनवासी परिवारों को रोजगार, अतिरिक्त आय और आर्थिक सुरक्षा का लाभ मिल रहा है। संग्रहण पारिश्रमिक के साथ बोनस और सामाजिक सुरक्षा सहायता मिलने से इन परिवारों को आर्थिक मजबूती मिलती है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व तथा वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन आधारित आजीविका को प्रोत्साहित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से संग्राहकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद है। तेंदूपत्ता बोनस वितरण वनांचल के मेहनतकश संग्राहकों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और उनकी मेहनत को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

देश में सर्वाधिक 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा संग्रहण पारिश्रमिक- प्रदेश में लगभग 13.50 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार पंजीकृत हैं। राज्य सरकार द्वारा तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से पारिश्रमिक दिया जा रहा है, जो देश में सर्वाधिक है। संग्रहण वर्ष 2026 में 11.53 लाख संग्राहक परिवारों ने कुल 13.85 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया। इसके एवज में संग्राहकों को 761.90 करोड़ रुपये का संग्रहण पारिश्रमिक भुगतान किया गया।

बोनस और सामाजिक सुरक्षा का भी मिल रहा लाभ - राज्य सरकार केवल संग्रहण पारिश्रमिक तक सीमित नहीं है, बल्कि लाभ में रहने वाली समितियों के माध्यम से संग्राहकों को प्रोत्साहन राशि भी उपलब्ध करा रही है। संग्रहण वर्ष 2023 में लाभ वाली समितियों के 7.12 लाख संग्राहकों को जुलाई 2026 में 161 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन पारिश्रमिक दिया गया था। अब संग्रहण वर्ष 2024 की लाभांश राशि के रूप में 62.27 करोड़ रुपये के बोनस वितरण का शुभारंभ किया गया है। इसके साथ ही राजमोहिनी देवी तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत वर्ष 2026 में अब तक 1,556 प्रकरणों में 21.92 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

रामलला के दर्शन के लिए रवाना होने से पहले 45 श्रद्धालुओं ने सांसद विजय बघेल से मुलाकात कर किया धन्यवाद

अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।

भिलाई - पाटन विधानसभा क्षेत्र के 45 श्रद्धालुओं का जत्था भगवान श्रीरामलला के दर्शन के लिए रवाना होने से पूर्व दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल एवं उनकी धर्मपत्नी रजनी बघेल का आशीर्वाद लेने उनके निज निवास सेक्टर-5 भिलाई पहुंचे।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने सभी श्रद्धालुओं का तिलक लगाकर एवं पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि यह आप सभी का सौभाग्य है कि आपको प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का पुण्य अवसर प्राप्त हो रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का भी आप सभी को शुभाशीष प्राप्त हो।



प्रभु श्रीराम आप सभी को मानव सेवा और समाज सेवा करने की शक्ति प्रदान करें। सांसद विजय बघेल ने कहा कि आज लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा भी है। वे सुबह चार बजे से ही विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर छठी मैया का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे थे। उन्होंने कामना की कि छठी मैया की कृपा और आशीर्वाद आप सभी पर सदैव बना रहे। अंत में उन्होंने सभी श्रद्धालुओं की रामलला के दर्शन की यात्रा मंगलमय एवं सुखद होने की कामना करते हुए कहा कि आप सभी प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद लेकर सकुशल वापस लौटें।

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा में चाक-चौबंद व्यवस्थाओं के बीच पेराई सत्र 2026 27 का शुभारंभ, गन्ना उत्पादक किसानों में उत्साह

महबूब खान कवर्धा- भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित, कवर्धा द्वारा पेराई सत्र 2026ङ्क27 के दौरान कारखाना परिसर में आने वाले अंशधारी गन्ना उत्पादक किसानों एवं श्रमिकों की सुविधा, सुरक्षा तथा गन्ना आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। कारखाना प्रबंधन ने किसानों की सुविधा एवं पेराई कार्य में पारदर्शिता को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न व्यवस्थाएं लागू की हैं। साथ ही किसानों से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।



सुरक्षा एवं पारदर्शिता के लिए सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था- कारखाना परिसर में किसानों, श्रमिकों एवं गन्ना परिवहन वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की गई है। इससे परिसर की गतिविधियों की निगरानी के साथ-साथ गन्ना आपूर्ति व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने में सहायता मिलेगी।

गन्ना लदे वाहनों को छोड़कर नहीं जाने की अपील- कारखाना प्रबंधन ने गन्ना लेकर आने वाले किसानों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपनी गन्ना लदी गाड़ियों को छोड़कर अनावश्यक रूप से कहीं न जाएं। इससे गन्ना तौल एवं आपूर्ति प्रक्रिया प्रभावित होती है तथा अन्य किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से प्रबंधन द्वारा निर्देशित किया गया है कि गन्ना लदी गाड़ी छोड़कर जाने की स्थिति में संबंधित वाहन को 20 अन्य गाड़ियों के बाद टोकन दिया जाएगा। किसानों से इस व्यवस्था में सहयोग करने का आग्रह किया गया है, ताकि सभी किसानों को समय पर सुविधा मिल सके।

स्वच्छ एवं गुणवत्तायुक्त गन्ने की आपूर्ति करने का आग्रह- कारखाना प्रबंधन ने गन्ना उत्पादक किसानों से आग्रह किया है कि वे कारखाने में अगवा एवं जड़ रहित, साफ-सुथरे तथा गुणवत्तायुक्त गन्ने की ही आपूर्ति करें। स्वच्छ एवं गुणवत्तायुक्त गन्ने से पेराई प्रक्रिया सुचारू रहती है तथा शक्कर उत्पादन की गुणवत्ता एवं रिकवरी बेहतर बनाए रखने में सहायता मिलती है।

किसानों का सहयोग कारखाने के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक- कारखाना प्रबंधन ने कहा है कि अंशधारी गन्ना उत्पादक किसानों एवं श्रमिकों के हितों का संरक्षण तथा उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना कारखाने की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रबंधन ने समस्त किसानों एवं गन्ना परिवहनकर्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित व्यवस्थाओं एवं दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पेराई कार्य के सुचारू संचालन में सहयोग प्रदान करें। किसानों की सुविधा, श्रमिकों का सम्मान, पारदर्शी व्यवस्था एवं निर्बाध गन्ना पेराई ही कारखाना प्रबंधन की प्रतिबद्धता है।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने आरंग विधानसभा क्षेत्र के चार धान खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण

मोदी की गारंटी के अनुरूप किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी कर रही राज्य सरकार रू मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

रायपुर, 16 नवंबर 2026/ कैबिनेट मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने सोमवार को आरंग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आरंग, लखौली, रूमतराई एवं अमेठी स्थित धान खरीदी केंद्रों का आज निरीक्षण कर धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने खरीदी केंद्रों में धान लेकर पहुंचे किसानों को शुभकामनाएं दीं और उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने धान खरीदी केंद्रों में पहुंचकर खरीदी की संपूर्ण प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने धान की तौल व्यवस्था, बारदानों की उपलब्धता, धान की गुणवत्ता एवं नमी परीक्षण सहित अन्य



व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। खरीदी केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसानों को सुगमता और पारदर्शिता के साथ अपनी उपज बेचने की सुविधा मिल सके।

मेहनतकश किसानों को उचित मूल्य दिलाने सरकार प्रतिबद्ध- मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप किसानों के हित में किए गए वादों को पूरा किया जा रहा है। राज्य सरकार किसानों की मेहनत का सम्मान करते हुए उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषक उन्नति योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।उन्होंने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत प्रदेश में 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक पंजीकृत किसानों से धान खरीदी की जाएगी। धान खरीदी की अधिकतम सीमा प्रति एकड़ 21 क्विंटल निर्धारित की गई है। इसके साथ ही पात्र किसानों को कृषक उन्नति योजना का लाभ भी प्रदान किया जाएगा।

'टोकन तुहर हाथ' ऐप के माध्यम से 24 घंटे टोकन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध- मंत्री श्री साहेब ने कहा कि राज्य सरकार ने धान खरीदी की प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने के लिए डिजिटल सुविधाओं का विस्तार किया है। किसानों को अब 'टोकन तुहर हाथ' ऐप के माध्यम से 24 घंटे टोकन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की सुविधा अनुसार 2 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को एक टोकन, 2 एकड़ से अधिक एवं 10 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को दो टोकन तथा 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को तीन टोकन प्राप्त करने की सुविधा दी गई है।

संपादकीय

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस ने मेडिकल रिसर्च को किया आसान

एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई के अनुसार, अगले एक दशक में कैंसर, अल्जाइमर, हृदय रोग और मानसिक बीमारियों को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। पहले यह दावा असंभव लगता था, लेकिन आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) ने मेडिकल रिसर्च को जो अभूतपूर्व गति दी है, उससे अब इस लक्ष्य को हासिल करने की एक नई और मजबूत उम्मीद जगी है। एआई कंपनी एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई का दावा है कि कैंसर, अल्जाइमर, हृदय रोग और मानसिक बीमारियां अगले एक दशक में अतीत की बातें हो सकती हैं। कुछ साल पहले अगर यह बात कही गई होती, तो यकीन करना मुश्किल हो जाता। लेकिन, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस ने जिस तरह मेडिकल रिसर्च को रफ्तार दी है, उससे डारियो का बयान उम्मीद जगाता है। काम आसान हुआ। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की ताकत है बहुत सारे आंकड़ों का तेजी से विश्लेषण। पहले डेटा के ढेर में से जो नतीजे हासिल करने में महीनों और बरसों लगते थे, वह काम अब घंटों और दिन में सिमट गया है। गूगल डीपमाइंड का अल्फाफोल्ड इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इसने प्रोटीन की संरचना का अनुमान लगाने में सफलता हासिल की, जो एक पुरानी पहेली थी। किसी बीमारी से जुड़े प्रोटीन की सही जानकारी होने पर वैज्ञानिक कम समय और लागत में इलाज तलाश सकते हैं। जानकारी बढ़ी। इसी तरह का एक और उदाहरण है रेनटोर्सेटिव , फेफड़ों से जुड़ी एक बेहद गंभीर बीमारी की दवा। जेनरेटिव एआई की मदद से खोजी और विकसित की गई यह पहली दवा है। फिलहाल क्लिनिकल ट्रायल के तीसरे चरण में है।

कैंसर और अल्जाइमर जैसी बीमारियों के प्रति समझ बढ़ाने में भी एआई से बहुत सहायता मिली है। ऐसे ही कई और प्रॉजेक्ट हैं, जिन पर दुनियाभर में रिसर्च टीमें लगी हुई हैं।सभी तक पहुंच। चिकित्सा के क्षेत्र में तकनीक हमेशा मददगार रही है और एआई की क्षमताओं को देखते हुए उससे अपेक्षाएं भी उतनी ही ज्यादा हैं। लेकिन, इसके साथ यह चिंता भी है कि तकनीक का लाभ कुछ खास तक सीमित होकर न रह जाए। अभी कुछ चुनिंदा देश हैं, जिन्होंने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस में भारी निवेश किया है। एआई की कुंजी और उससे जुड़ा आर्थिक लाभ भी फिलहाल इन्हीं के पास है। घातक बीमारियों को जड़ से समाप्त करने के लिए तकनीक के फायदों को सभी के साथ बांटना होगा। साथ ही, सरकारों को मेडिकल इंफ्रा पर निवेश बढ़ाने की जरूरत है। डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की भारी कमी है। स्वास्थ्य सेवाओं का बुनियादी ढांचा मजबूत हुए बिना सभी को इलाज नहीं मिल सकता। यह ध्यान भी रखना होगा कि एआई से दवाओं की खोज और उत्पादन में तेजी तो आएगी, पर इलाज बहुत महंगा हुआ तो बड़ी आबादी की पहुंच से बाहर रहेगा। एंथ्रोपिक सीईओ डारियो ने एक अनुमान लगाया है। इसे निश्चित समयसीमा नहीं माना जा सकता। लेकिन, महत्वपूर्ण है कि इससे जुड़ी तैयारियां भी साथ में चलती रहें।

जनजातीय विकास की दिशा में बढ़ते कदम

आंकड़ों के अनुसार 1425 जनजातीय गांवों के लिए पेयजल योजना मंजूर की गई थी, जिनमें से 510 में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। इसी तरह इन इलाकों के लिए 57 मेडिकल वैन संचालित किए जा रहे हैं। जिनके जरिए आदिवासियों के घरों तक अस्पताल पहुंच रहा है और छोटे रोगों का स्थानीय स्तर पर ही इलाज किया जा रहा है। राज्य के स्वीकृत सभी 16 वन अनुसंधान केंद्र भी पूरी तक काम कर रहे है। राज्य में जनजातीय समुदाय के छात्रों के लिए स्वीकृत चालीस छात्रावासों में से 29 में छात्र रहने लगे हैं, जिससे उन्हें सहूलियत हो रही है।

(उमेश चतुर्वेदी)



जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है।

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन अगर कामयाब हुआ तो इसलिए कि उसमें देश के हर वर्ग और तबके ने हिस्सा लिया था। जिस जनजातीय समुदाय को लेकर धारणा रही है कि वह मुख्यधारा से दूर रहा है, उस समुदाय ने भी भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में ना सिर्फ गहन भागीदारी की, बल्कि उसे अंजाम तक पहुंचाने में योगदान भी दिया। इसी समुदाय के थे बिरसा मुंडा, जिन्हें भगवान का दर्जा तक प्राप्त है। उनकी अगुआई में जनजातीय समुदाय ने स्वाधीनता का बिगुल फूंका था। स्वाधीनता आंदोलन में जनजातीय समुदाय की भागीदारी और उनके योगदान की स्मृति में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया। इस लिहाज से इस बार छठवीं बार जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है।

जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। इसकी वजह भी है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने कामकाज संभालने के बाद से ही जनजातीय विकास के लिए कई योजनाओं को ना सिर्फ शुरू कर रखा है, बल्कि उन्हें अंजाम तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म सन् 1875 में झारखंड के रांची जिले के उलीहातू में हुआ था। बिरसा सिर्फ स्वाधीनता सेनानी ही नहीं, समाज सुधारक भी थे। बेहद कम उम्र में ही उन्होंने अंग्रेजों के अत्याचारों, भूमि छीने जाने, बेगारी आदि के विरुद्ध जनजातीय समुदायों को संगठित कर उलगुलान किया था। उलगुलान का अर्थ होता है, महान विद्रोह। सिर्फ 25 वर्ष की आयु में ही उन्होंने अपनी जिंदगी स्वाधीनता के नाम होम कर दी। इन्हीं बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पिछले साल मनाई गई थी। बहरहाल हमें यह भी याद रखना होगा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जनजातीय समाज के दूसरी हस्तियों मसलन, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंदा सिंह, वीर गुंडाधुर, ठाकुर रामप्रसाद पोर्ते, रानी दुर्गावती आदि को भी याद किया जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार इस दिवस को ना सिर्फ याद करती रही है, बल्कि उनकी याद में कई सारे विकास कार्यक्रमों को भी आगे लेकर आई है। इसमें सबसे प्रमुख है, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान यानी पीएम-जनमन योजना। इसे 15 नवंबर 2023 को तीन वर्ष के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था। इस योजना के दायरे में देश के सभी आदिवासी समुदाय आते हैं। इसे स्वाधीन भारत के इतिहास की जनजातियों पर केंद्रित यह अब तक का सबसे बड़ा अभियान कहा जाना अतिशयोक्ति नहीं होगा। इस योजना में जनजातीय समुदाय के विकास से जुड़े नौ मंत्रालयों 11 महत्वपूर्ण गतिविधियां शामिल हैं। इसके तहत आवास, स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर आदि की उपलब्धता तय की जा रही है। इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के लिए भारत सरकार द्वारा घोषित पांच विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों मसलन, बैगा, पहाड़ी कोरवा, कमार, अबूझमाड़िया एवं बिरहोर की बसाहटों का विकास किया जा रहा है, जिसमें 1545 ग्राम एवं 2365 छोटी बस्तियां शामिल हैं। इसके तहत राज्यम अब तक स्वीकृत 34,691 पक्के आवासों में से करीब 69 प्रतिशत यानी 24,218 आवास बनाए जा चुके हैं। इस योजना के तहत 2,901 किलोमीटर सड़कें बनाने को मंजूरी दी गई है, जिनमें से आधे से ज्यादा यानी करीब 1,833 किलोमीटर सड़क बनाई जा चुकी है। छत्तीसगढ़ ने राज्य के 7,349 जनजातीय परिवारों के घरों का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। राज्य में जनजातीय समुदायों के लिए 191 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए हैं और वे सारे कार्यरत हैं। इनमें से 187 के पास अपने भवन भी हैं। छत्तीसगढ़ सरकार से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार 1425 जनजातीय गांवों के लिए पेयजल योजना मंजूर की गई थी, जिनमें से 510 में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। इसी तरह इन इलाकों के लिए 57 मेडिकल वैन संचालित किए जा रहे हैं। जिनके जरिए आदिवासियों के घरों तक अस्पताल पहुंच रहा है और छोटे रोगों का स्थानीय स्तर पर ही इलाज किया जा रहा है। राज्य के स्वीकृत सभी 16 वन अनुसंधान केंद्र भी पूरी तक काम कर रहे है। राज्य में जनजातीय समुदाय के छात्रों के लिए स्वीकृत चालीस छात्रावासों में से 29 में छात्र रहने लगे हैं, जिससे उन्हें सहूलियत हो रही है। राज्य में जनजातीय विकास के लिए 1719 कौशल विकास केंद्र स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 849 पूरी क्षमता के साथ चल रहे हैं, जहां आदिवासी समुदाय के बच्चों को स्थानीय स्तर पर कौशल विकास की दिशा में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

जनजातीय समुदाय के विकास की दिशा में एक और बड़ी योजना है, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान भी है। जिसे दो अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू किया। हजारीबाग से शुरू इस योजना के तहत 30 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों में फैले 63,000 से अधिक जनजाति बहुल गांवों को शामिल किया गया है। जाहिर है कि इसमें छत्तीसगढ़ के जनजातीय बहुल जिलों के 6691 गांव शामिल हैं। इसमें 17 मंत्रालयों की 25 योजनाएं और गतिविधियां जैसे पक्के घर, जल आपूर्ति, घरों का विद्युतीकरण, नई सौर ऊर्जा योजना, मोबाइल चिकित्सा इकाइयां, आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना, हॉस्टल, पोषण वाटिकाएं, एलपीजी कनेक्शन, भारतनेट, स्किल इंडिया मिशन, डिजिटल पहल, सतत कृषि को बढ़ावा, मछली पालन सहायता, वन अधिकार पत्र धारकों हेतु पशुधन पालन, वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन, पीएमएएजीबाय , ट्राइबल होमस्टे आदि शामिल हैं। इसके साथ ही जनजातीय समुदाय के विकास के लिए राज्य में वन अधिकार अधिनियम को लागू किया जा चुका है। इसके साथ ही विशेष रूप से जनजातीय समुदाय के लिए उपयोजना बजट व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ में साल 2023-24 में जहां 21,492 करोड़ 34 लाख रुपये आवंटित किए गए थे, वहीं साल 2026-27 के लिए 42,165 करोड़ 95 लाख 95 हजार रुपये। स्वीकृत किए गए थे। जाहिर है कि इन योजनाओं के जरिए छत्तीसगढ़ जहां जनजातीय समुदायों के गौरव को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है, वहीं इस समुदाय के लोगों को यह संदेश देने की कवायद में जुटा हुआ है कि वे भी देश के वैसे ही नागरिक हैं, जैसे दूसरे लोग हैं।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सूर्य षष्ठी व्रत यानी सूप में सजी सृष्टि

(दिलीप पाण्डेय)

छठ, प्रकृति पूजा और सहअस्तित्व का लोकदर्शन है। कार्तिक की ठंडी शाम। नदी किनारे हज़ारों दीये झिलमिला रहे हैं। पानी में उतरी व्रती के हाथ में बाँस का सूप है, जिसमें ठेकुआ, गन्ना, नारियल, केला और मौसमी फल सजे हैं। ध्यान से देखिए तो उस छोटे से सूप में पूरी सृष्टि समाई हुई है। खेत की उपज, पेड़ के फल, नदी का जल और ऊपर आकाश में ढलता सूरज। छठ का यह दृश्य किसी चित्रकार की कल्पना जैसा लगता है, पर यह हमारी हज़ारों साल पुरानी जीवन दृष्टि का सबसे सजीव रूप है।

इतिहास की परतों में छठ : सूर्य की उपासना भारत की सबसे प्राचीन परंपराओं में से एक है। ऋग्वेद में सूर्य और सविता की स्तुति के अनेक मंत्र हैं। गायत्री मंत्र भी सविता देव को ही समर्पित है। वैदिक ऋषि सूर्य को जगत की आत्मा मानते थे।

छठ की जड़ें लोककथाओं और महाकाव्यों में भी मिलती हैं। मान्यता है कि वनवास से लौटने के बाद माता सीता ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्य की आराधना की थी। मुंगेर में आज भी सीता चरण से जुड़ी आस्था इस कथा को जीवित रखे हुए है। महाभारत में सूर्यपुत्र कर्ण के बारे में कहा जाता है कि वे रोज़ घंटों कमर तक जल में खड़े रहकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। एक कथा यह भी है कि पांडवों के कठिन समय में द्रौपदी ने यह व्रत रखा था। छठी मैया को षष्ठी देवी के रूप में पूजा जाता है, जिन्हें संतान की रक्षा करने वाली माँ माना गया है। बिहार के औरंगाबाद ज़िले का देव सूर्य मंदिर इस परंपरा का बड़ा केंद्र है। प्राचीन अंग और मगध की धरती से निकला यह पर्व आज पूर्वांचल, झारखंड, नेपाल के तराई क्षेत्र से लेकर मुंबई, दिल्ली, मॉरीशस और अमेरिका तक मनाया जाता है। जहाँ भी इस मिट्टी के लोग गए, छठ उनके साथ गया।

बिना पुरोहित की पूजा : छठ की सबसे अनोखी बात इसकी सीधी सादी बनावट है। यहाँ भक्त और भगवान के बीच कोई तीसरा नहीं खड़ा होता। न किसी विशेष मंत्र की अनिवार्यता है, न किसी भव्य मंदिर की। नदी का किनारा ही वेदी है और खुला आसमान ही गर्भगृह। व्रती खुद पानी में उतरकर अपनी बात सूर्य से कहती है। इस पर्व में तामझाम की कोई जगह नहीं। सामग्री वही जो खेत और बगीचे ने दी। गुड़, गेहूँ, चावल, गन्ना, सिंघाड़ा, हल्दी, मूली। सब कुछ अपने हाथ से बना, पूरी पवित्रता के साथ। चार दिन का कठिन उपवास मन को भी उतना ही निर्मल करता है जितना घाट की सफाई नदी किनारे को।

एक और बात इसे दुनिया के तमाम पर्वों से अलग करती है। यहाँ अस्त होते सूर्य को भी उतने ही आदर से अर्घ्य दिया जाता है जितना उदय होते सूर्य को। चढ़ते को सलाम करना दुनिया की रीत है, पर ढलते को प्रणाम करना भारतीय मन की उदारता है। यह स्वीकार है कि जीवन का हर पड़ाव, उगना भी और ढलना भी, एक ही चक्र के हिस्से हैं।

प्रकृति पूजा- अंधविश्वास नहीं, विज्ञान है : कुछ लोग प्रकृति पूजा को पिछड़ेपन से जोड़ते हैं। पर ज़रा सोचिए, जिस सूर्य के बिना एक पत्ता भी हरा नहीं हो सकता, जिस जल के बिना एक दिन भी नहीं कटता, उसके प्रति आभार जताना अंधविश्वास कैसे हुआ? यह तो सबसे वैज्ञानिक कृतज्ञता है। हमारे अन्न, हमारी साँस, हमारी ऊर्जा, सबका मूल सूर्य ही है।

अथर्ववेद का पृथ्वी सूक्त कहता है, माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः। यानी धरती माता है और मैं उसका पुत्र। ईशोपनिषद सिखाता है कि त्याग के भाव से भोग करो, किसी के धन का लोभ मत करो। हमारे पुरखों ने प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, परिवार का सदस्य माना। इसीलिए पीपल में देवता, तुलसी में माँ, गाय में माता और नदी में देवी देखी गई।

सहअस्तित्व का पाठ : सहअस्तित्व का अर्थ है कि इस धरती पर मनुष्य अकेला मालिक नहीं, बल्कि एक साझेदार है। पेड़, पशु, पक्षी, नदी, पहाड़, सबका इस पृथ्वी पर बराबर का हक है। हम उनसे लेते हैं तो हमें उन्हें लौटाना भी होगा। यह संतुलन ही जीवन का आधार है। छठ इस विचार को व्यवहार में उतारता है। जब व्रती सूर्य से मिली फसल का एक अंश उसी को अर्पित करती है, तो यह लेन देन का नहीं, आभार का संबंध है। जब पूरा मोहल्ला मिलकर घाट बनाता है, रास्ते साफ करता है, अनजान लोगों को प्रसाद बाँटता है, तो यह मनुष्य और मनुष्य के बीच सहअस्तित्व का उत्सव बन जाता है। यहाँ जाति, वर्ग, अमीरी गरीबी की दीवारें पानी में घुल जाती हैं। सब एक ही घाट पर, एक ही सूरज के सामने खड़े होते हैं।

आस्था और आचरण की दूरी : पर आज एक चुभता हुआ सच भी है। जिन नदियों में खड़े होकर हम अर्घ्य देते हैं, उनमें से कई की हालत दयनीय है। कहीं सफेद झाग तैर रहा है, कहीं प्लास्टिक के ढेर लगे हैं, कहीं कारखानों का गंदा पानी बह रहा है। बदलते मौसम, घटती हरियाली और सूखते जलस्रोत बता रहे हैं कि प्रकृति के साथ हमारा रिश्ता बिगड़ चुका है। यह विरोधाभास हमें सोचने पर मजबूर करता है। एक तरफ हम नदी को पवित्र मानते हैं, दूसरी तरफ उसी में कचरा फेंकते हैं। अगर छठ की भावना सच्ची है, तो उसे घाट से उठाकर रोज़ की ज़िंदगी में लाना होगा।

घाट से घर तक संकल्प : इस बार अर्घ्य के साथ मन में एक वचन भी रखिए। घाट को जितना साफ पाया, उससे बेहतर छोड़कर आइए। पूजा में प्लास्टिक और थर्मोकोल की जगह बाँस, मिट्टी और पत्तों का उपयोग कीजिए। घर में हर बूँद पानी का मोल समझिए। और छठी मैया के नाम पर एक पौधा लगाइए, जिसे अपनी संतान की तरह पालिए। छठ हमें बताता है कि धर्म का असली अर्थ प्रकृति के साथ तालमेल में जीना है। जब सूप में सजी सृष्टि को हम सूरज की ओर उठाते हैं, तो असल में उस सृष्टि की रक्षा का वादा भी करते हैं। इस वादे को निभाना ही इस महापर्व का सच्चा फल है।छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ।।

(लेखक 'मानव-केंद्रित लोकतांत्रिक व्यवस्था' में शोधरत हैं। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

पहले नेता और अफसर ही हनीट्रैप में फँसते थे, अब कंपनियों के सीईओ

अमेरिकी राजनीति में चिप निर्यात पर पहले से जारी बहस के बीच यह सवाल उठने लगा कि कहीं दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर कंपनी का शीर्ष नेतृत्व ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से जोखिम में तो नहीं आ गया? विवाद सामने आने के बाद एनवीडिया के शेयरों में करीब 9.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दो कारोबारी सत्रों में कंपनी का बाजार मूल्य लगभग 430 अरब डॉलर घटने की खबर आई। इसके बाद संकट और गहराया और 12 नवंबर को जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर सामने आई।

(नीरज कुमार दुबे)

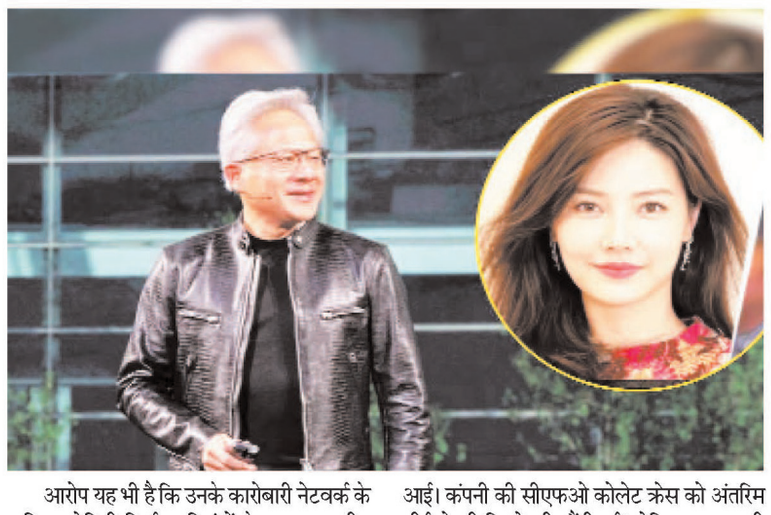

यह पूरा मामला इसलिए भी असाधारण है क्योंकि यहां निशाने पर कोई सामान्य कारोबारी नहीं, बल्कि उस कंपनी का मुखिया है जिसके बनाए अत्याधुनिक चिप्स आज अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बन चुके हैं। दुनिया की सबसे ताकतवर टेक्नोलॉजी कंपनियों में शुमार एनवीडिया के लिए नवंबर 2026 किसी बुरे सपने से कम साबित नहीं हो रहा। जिस कंपनी के ढ चिप्स पर दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य टिका है, उसके शेयरों में भारी गिरावट ने निवेशकों को हिलाकर रख दिया है। लेकिन इस बार संकट की वजह न तो किसी नए प्रतिस्पर्धी की चुनौती है और न ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मांग में कमी। इस तूफान के केंद्र में हैं कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग, चीन से जुड़े जासूसी के गंभीर आरोप और एक हनीट्रैप की कहानी।

मामला इसलिए भी असाधारण है क्योंकि यहां निशाने पर कोई सामान्य कारोबारी नहीं, बल्कि उस कंपनी का मुखिया है जिसके बनाए अत्याधुनिक चिप्स आज अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बन चुके हैं। हम आपको बता दें कि जेनसन हुआंग का ऐलिस हुआंग नाम की एक चीनी कारोबारी महिला के साथ संबंध चर्चा में आया। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को कथित तौर पर संदेह था कि ऐलिस हुआंग के चीन की खुफिया व्यवस्था से संबंध हैं। वह सिंगापुर की क्लाउड कंप्यूटिंग कंपनी मेगास्पीड इंटरनेशनल से जुड़ी रही थीं।

आरोप यह भी है कि उनके कारोबारी नेटवर्क के जरिए अमेरिकी निर्यात प्रतिबंधों के बावजूद करीब 7.5 अरब डॉलर के एनवीडिया चिप्स चीन तक पहुंचाने में मदद मिली। इस विवाद ने तब और गंभीर रूप ले लिया जब एनवीडिया के बोर्ड ने स्वतंत्र जांच शुरू की। अमेरिकी जांच एजेंसियों की दिलचस्पी भी इस मामले में बढ़ी। अमेरिकी राजनीति में चिप निर्यात पर पहले से जारी बहस के बीच यह सवाल उठने लगा कि कहीं दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर कंपनी का शीर्ष नेतृत्व ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से जोखिम में तो नहीं आ गया? विवाद सामने आने के बाद एनवीडिया के शेयरों में करीब 9.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दो कारोबारी सत्रों में कंपनी का बाजार मूल्य लगभग 430 अरब डॉलर घटने की खबर आई। इसके बाद संकट और गहराया और 12 नवंबर को जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर सामने आई। कंपनी की सीएफओ कोलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी गई। लेकिन इस कहानी का असली महत्व सिर्फ एक सीईओके विवाद में नहीं छिपा है। इसके पीछे चिप्स की वह वैश्विक लड़ाई है, जिसमें तकनीक अब सीधे कूटनीति, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा का हथियार बन चुकी है।

चिप्स क्यों बन गए हैं कूटनीतिक हथियार? : देखा जाये तो आज की दुनिया में सेमीकंडक्टर चिप्स की अहमियत तेल और परमाणु तकनीक से कम नहीं है। लड़ाकू विमानों से लेकर मिसाइलों, सैटेलाइट, सुपर कंप्यूटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक, हर महत्वपूर्ण तकनीक के पीछे चिप्स की ताकत है। जिस देश के पास अत्याधुनिक चिप्स और उन्हें बनाने की तकनीक पर नियंत्रण होगा, उसके पास भविष्य की सैन्य और आर्थिक शक्ति को प्रभावित करने की क्षमता भी होगी। यही वजह है कि अमेरिका ने चीन को अत्याधुनिक चिप्स की आपूर्ति पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। दूसरी तरफ चीन लगातार ऐसे प्रतिबंधों से बचने और अपनी तकनीकी क्षमता बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में एनवीडिया जैसी कंपनी सिर्फ एक कारोबारी प्रतिष्ठान नहीं रह जाती, बल्कि वह अमेरिकी सामरिक हितों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती है।

जेनसन हुआंग का मामला इस बात का उदाहरण है कि किसी कंपनी के सीईओ का निजी जीवन भी किस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन सकता है। अगर किसी कारोबारी को व्यक्तिगत संबंधों के जरिए प्रभावित किया जा सके तो उसके फैसलों, संपर्कों और कंपनी की रणनीति तक पहुंचने का रास्ता खुल सकता है।

हनीट्रैप जासूसी की पुरानी तकनीक, नए निशाने : वैसे इस प्रकार की जासूसी का खेल कोई नई रणनीति नहीं है। शीत युद्ध के दौर में सोवियत संघ की चलक और पूर्वी जर्मनी की स्टासी जैसी एजेंसियां भी आकर्षण और प्रेम संबंधों के जरिए महत्वपूर्ण लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए कुख्यात थीं। सिंगापुर के राजनयिक अधिकारी एलन वी खेंग सून का मामला इसका चर्चित उदाहरण है।

1980 में उन्हें सोवियत एजेंट के साथ संबंधों और ब्लैकमेल के जरिए गोपनीय सूचनाएं साझा करने के मामले में दस साल की सजा हुई थी। ताइवान के सेना के जनरल लो सिएन-चे को भी चीन के लिए जासूसी करने के आरोप में 2011 में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उनके मामले में भी हनीट्रैप की भूमिका की चर्चा हुई थी।

फ्रांस के राजनयिक बर्नार्ड बोरसिकोट का मामला तो जासूसी की दुनिया के सबसे विचित्र प्रकरणों में गिना जाता है। 1964 में बीजिंग में उनकी मुलाकात चीनी ओपेरा कलाकार शी पेई पु से हुई थी। करीब दो दशक तक चले संबंधों में बोरसिकोट को यह विश्वास दिलाया गया कि शी एक महिला हैं और उनका एक बच्चा भी है। इस दौरान बोरसिकोट ने फ्रांस के गोपनीय राजनयिक दस्तावेज साझा किए। 1983 में मामला खुला और 1986 में दोनों को जासूसी का दोषी ठहराया गया था। साथ ही अमेरिका में भी चीनी खुफिया गतिविधियों को लेकर ऐसे मामले सामने आते रहे हैं। चीनी नागरिक फांग फांग के अमेरिकी नेताओं और राजनेताओं से संपर्क बनाने के प्रकरण ने अमेरिकी राजनीति में काफी हलचल मचाई थी। हालांकि, उनके खिलाफ जासूसी का कोई आपराधिक आरोप साबित नहीं हुआ।

बहरहाल, एनवीडिया प्रकरण की सबसे बड़ी सीख यही है कि अब जासूसी का निशाना सिर्फ सैन्य अधिकारी, राजनयिक या सरकारी गोपनीय दस्तावेज नहीं हैं। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों के सीईओ, उनके कारोबारी नेटवर्क और उनकी निजी कमजोरियां भी खुफिया एजेंसियों के निशाने पर हो सकती हैं। एआई के दौर में चिप्स पर जिसका नियंत्रण होगा, वह भविष्य की ताकत को प्रभावित करेगा। इसलिए बड़ा सवाल यह है कि क्या आने वाले समय में दुनिया की तकनीकी कंपनियां जासूसी और भू-राजनीतिक संघर्ष का नया युद्धक्षेत्र बनने जा रही हैं?

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

किरंदुल में पुनर्वास के बिना बेदखली के नोटिस क्यों? बचेली में उजड़े परिवारों को मकान और मुआवजा कब?

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर।नवनीत चाँद ने कलेक्टर दंतेवाड़ा को सौंपा संयुक्त ज्ञापन; किरंदुल वार्ड-12 में पुनर्वास समिति, नगर पालिका की विशेष सामान्य सभा और जिला पुनर्वास समिति की बैठक की मांग। बचेली टेलिंग डैम-01 प्रभावितों के लिए मकान के बदले मकान, ?34.20 लाख के मुआवजे का पुनर्निरीक्षण, रोजगार, स्वास्थ्य एवं शिक्षा की मांग।

दंतेवाड़ा। किरंदुल और बचेली के विस्थापित परिवारों के पुनर्वास, मुआवजे एवं आवासीय अधिकारों को लेकर आज नवनीत चाँद के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर से मुलाकात कर संयुक्त ज्ञापन सौंपा और प्रशासन से जवाबदेही तय करने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि एनएमडीसी की परियोजनाओं से प्रभावित परिवार आज भी पुनर्वास की विसंगतियों, अधूरे मुआवजे और आवासीय असुरक्षा से जूझ रहे हैं। एक तरफपुनर्वास के वादों के विपरीत निर्माण कार्य हो रहे हैं, दूसरी तरफ वास्तविक पुनर्वास योजना और नुकसान का आकलन किए बिना बेदखली के नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

कलेक्टर के सामने तीन प्रमुख मांगें

1. किरंदुल वार्ड क्रमांक 12 - पहले पुनर्वास, फिर बेदखली

- नगर पालिका किरंदुल में प्रभावित परिवारों की वार्ड पुनर्वास समिति गठित हो।

- सामान्य सभा अध्यक्ष पदमा नाग के पत्र पर नगर पालिका की विधिवत विशेष सामान्य सभा आयोजित कर पुनर्वास की विसंगतियों पर प्रस्ताव पारित हो।

- जिला पुनर्वास समिति की बैठक बुलाकर प्रभावित परिवारों की मांगों को शामिल करते हुए सर्वसम्मति से समग्र पुनर्वास योजना तैयार हो।

- भूमि, निर्माण कार्य, मुआवजा और परिवारवार पुनर्वास पात्रता का संयुक्त सत्यापन हो।

- पुनर्वास संबंधी दावों के निराकरण और सुनवाई तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई एवं नोटिस पर स्थगन दिया जाए।

2. बचेली टेलिंग डैम-01 - मकान के बदले मकान और वास्तविक नुकसान का मुआवजा

- उच्च न्यायालय के 03.11.2026 के निर्णय के संदर्भ में प्रभावित परिवारों के लंबित अधिकारों का निराकरण हो।

- राजस्व अधिकारियों द्वारा निर्धारित ?34,20,493 के मुआवजे का परिवारवार भुगतान और बकाया विवरण सार्वजनिक हो।

- मकान, भूमि एवं निर्माण क्षति का वास्तविक नुकसान के आधार पर पारदर्शी पुनर्मूल्यांकन हो।

- पात्र परिवारों को मकान के बदले मकान अथवा सुरक्षित वैकल्पिक आवास मिले।

- प्रत्येक पात्र प्रभावित परिवार के एक सदस्य को एनएमडीसी में ठेकेदार पद्धति से रोजगार उपलब्ध कराने पर निर्णय हो।



- प्रभावित परिवारों को स्वास्थ्य उपचार, नियमित स्वास्थ्य निगरानी, बच्चों की शिक्षा एवं पोषण सहायता मिले।

3. एनएमडीसी एवं प्रशासन की जवाबदेही तय हो

- दोनों मामलों के लिए एनएमडीसी, राजस्व विभाग, नगर पालिका और जिला प्रशासन की संयुक्त समीक्षा व्यवस्था बने।

- पूर्व में किए गए पुनर्वास संबंधी वादों, स्वीकृत योजनाओं और निर्माण कार्यों की जांच हो।

- संविधान के अनुच्छेद 14, 21 एवं 300 तथा लागू आपदा प्रबंधन, पुनर्वास एवं वन अधिकार कानूनों के अनुरूप प्रत्येक दावे पर लिखित, कारणयुक्त और समयबद्ध निर्णय हो।

नवनीत चाँद ने कहा

नवनीत चाँद ने कहा कि एनएमडीसी को औद्योगिक विकास के लिए जमीन और संसाधन चाहिए, लेकिन जिन परिवारों की जिंदगी और घर प्रभावित हुए, उनके पुनर्वास की जिम्मेदारी कौन लेगा?

किरंदुल में पुनर्वास के वादों के विपरीत निर्माण और बिना समग्र पुनर्वास योजना के बेदखली नोटिस तथा बचेली में मकान गंवा चुके परिवारों का लंबित मुआवजा–दोनों मामले प्रशासन और एनएमडीसी की जवाबदेही का सवाल हैं।

हमारी स्पष्ट मांग है–न पुनर्वास के बिना बेदखली, न वास्तविक नुकसान के बिना मुआवजा और न रोजगार-स्वास्थ्य-शिक्षा की जिम्मेदारी से समझौता।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल रहे

दंतेवाड़ा जिला अध्यक्ष रेमन मरकाम, संभागीय महामंत्री रामनाथ नेगी, किरंदुल वार्ड क्रमांक 12 की पार्षद एवं सामान्य सभा अध्यक्ष पदमा नाग, पूर्व पार्षद उग्र नायक तथा दंतेवाड़ा जिला प्रभारी ओम मरकाम ने संयुक्त रूप से कहा कि विस्थापित परिवारों को कागजी आश्वासन नहीं, बल्कि सुरक्षित आवास, न्यायपूर्ण मुआवजा और सम्मानजनक पुनर्वास चाहिए।

हम औद्योगिक विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास की कीमत बस्तर के गरीब और आदिवासी परिवारों के घर, अधिकार और भविष्य से नहीं चुकाई जा सकती।

आदर्श ग्राम तुलसी में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का समापन, हिरमी की टीम ने जीता खिताबी मुकाबला

39 टीमों ने लिया हिस्सा, फाइनल में घुरसेना को 32-16 से हराकर जय महामाया हिरमी बनी विजेता

जनता के गोठ/ओंकार साहू

बलौदाबाजार जिला सिमगा ब्लॉक अंतर्गत आदर्श ग्राम पंचायत तुलसी में आयोजित दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण माहौल में समापन हुआ। प्रतियोगिता में क्षेत्र की लगभग 39 टीमों ने हिस्सा लेकर अपने खेल कौशल, दमखम और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दो दिनों तक चले इस रोमांचक मुकाबले में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।



प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला जय महामाया हिरमी और एमपी क्लब घुरसेना के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में जय महामाया हिरमी की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 32-16 के अंतर से जीत दर्ज की और प्रतियोगिता की विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वहीं एमपी क्लब घुरसेना की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर तुलसी और चौथे स्थान पर रोहरा की टीम ने अपना स्थान बनाया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा सिमगा मंडल अध्यक्ष एवं आदर्श ग्राम पंचायत तुलसी के सरपंच चंद्रमणि तिवारी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल जीवन में उत्साह, ऊर्जा और स्फूर्ति बनाए रखने के लिए बेहद आवश्यक हैं। आज के दौर में बच्चे मोबाइल और इंटरनेट की दुनिया में इतने व्यस्त हो गए हैं कि पारंपरिक खेलों से दूर होते जा रहे हैं। कबड्डी जोश, जुनून, शारीरिक क्षमता और बुद्धिमत्ता का खेल है। यह हमारे पूर्वजों से मिली शुद्ध देशी खेल परंपरा है, जो शरीर को स्वस्थ और तंदुरुस्त रखने के साथ ही अनुशासन एवं टीम भावना भी सिखाती है।

उन्होंने कहा कि खेल बच्चों और युवाओं को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। ग्राम पंचायत क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव सहयोग करेगी। खिलाड़ियों को खेल संबंधी आवश्यकताओं के लिए किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। ग्राम पंचायत परिवार हमेशा खिलाड़ियों के साथ खड़ा रहेगा।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपसरपंच काशी राम साहू, पंचराम निषाद, नेमा बाई साहू, डागेश्वरी साहू, सुनीता निषाद, बलदाऊ साहू सहित आयोजन समिति के दिलहरण निषाद, झाड़ू निषाद, दिलीप निषाद, नरेश निषाद एवं दादू निषाद उपस्थित रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं ग्रामवासी मौजूद रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन यशवंत तिवारी ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन से ग्राम में खेल के प्रति उत्साह और युवाओं में कबड्डी के प्रति नई ऊर्जा देखने को मिली।

विकास के साथ विरासत का संरक्षण, विधायक भावना बोहरा ने 55.20 लाख की लागत से जलेश्वर महादेव परिसर में विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

55.20 लाख की लागत विधायक भावना बोहरा ने ग्राम डोंगरियाकला में जलेश्वर महादेव परिसर के विस्तार एवं सौंदर्यीकरण कार्य का किया भूमिपूजन

पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम डोंगरियाकला में धार्मिक आस्था के प्रमुख केंद्र जलेश्वर महादेव परिसर के विस्तार एवं सौंदर्यीकरण तथा सीसी रोड निर्माण कार्य का पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने भूमिपूजन किया। 55 लाख 20 हजार रुपए की लागत से जलेश्वर महादेव परिसर का विस्तार एवं सौंदर्यीकरण कर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही सीसी रोड निर्माण से आवागमन को सुगम बनाने में मदद मिलेगी। इससे ग्रामवासियों को सुविधाएं प्राप्त होंगी, साथ ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी सुविधा मिलेगी।



इस दौरान विधायक भावना बोहरा द्वारा 6 लाख रुपए की लागत से भव्य प्रवेश द्वार, 14 लाख रुपए की लागत से महादेव मंदिर से बी.टी.रोड तक सीसी रोड, 10 लाख रुपए की लागत से 7 सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार, 5 लाख रुपए की लागत से मंदिर व मेला परिसर में जलसंविरण कार्य एवं पानी टंकी व पेयजल व्यवस्था, 10 लाख रुपए की लागत से मंदिर एवं मेला परिसर में चेकर टाइल्स व पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य, 5 लाख रुपए की लागत से सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने तथा 5 लाख 20 हजार की लागत से अनुज के घर से मोहित साहू के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा का विकास केवल सड़कों, भवनों और अन्य बुनियादी सुविधाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन भी विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जलेश्वर महादेव जैसे आस्था के केंद्र हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। इन स्थलों का विकास आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करेगा। आज पंडरिया विधानसभा यहाँ के विकास, सड़कों के विस्तार, मिनी स्टेडियम, 250 सीटर नालंदा परिसर, प्रशासनिक सुविधाओं हेतु लिंक कोर्ट जैसे जनसुविधाओं तथा हमारे धार्मिक स्थलों के संरक्षण व जन आस्था के सम्मान के रूप में अपनी एक विशेष पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं विभिन्न सांस्कृतिक व धार्मिक गतिविधियों के लिए मंदिर में 38 लाख रुपए की लागत से भवन निर्माण कार्य अपनी पूर्णतः की ओर है और जल्द ही उसका लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार गांवों के समग्र विकास, जनसुविधाओं के विस्तार तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में आस्था के केंद्रों के विकास, पर्यटन सुविधाओं के विस्तार और सांस्कृतिक परंपराओं को प्रोत्साहन देने की दिशा में विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पंडरिया विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में भी सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और सामुदायिक सुविधाओं के साथ धार्मिक स्थलों के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। हमारा संकल्प है कि पंडरिया विधानसभा का प्रत्येक गांव विकास की मुख्यधारा से जुड़े, ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिलें और क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयां प्राप्त हों। ग्राम डोंगरियाकला में जलेश्वर महादेव परिसर का विकास इसी संकल्प की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। क्षेत्रवासियों की आस्था का सम्मान और क्षेत्रवासियों की यह बहुप्रतीक्षित मांग थी जो पूरी हो रही है जिसके लिए मैं समस्त क्षेत्रवासियों को बधाई देती हूँ और डबल इंजन भाजपा सरकार एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ। भावना बोहरा ने आगे कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि शहरों के साथ-साथ गांवों में भी विकास कार्यों को निरंतर गति मिले और प्रत्येक गांव अपनी विशिष्ट पहचान एवं सांस्कृतिक विरासत के साथ प्रगति के नए आयाम स्थापित करे। डबल इंजन भाजपा सरकार में पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को निरंतर गति मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विकसित छत्तीसगढ़ के विजन के अनुरूप क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, धार्मिक एवं सामुदायिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा को राष्ट्रपति भवन में मिला सम्मान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिले छत्तीसगढ़ के बेलमेटल शिल्पकार

कोंडागांव और रायगढ़ के शिल्पकारों ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

रायपुर, 16 नवंबर 2026/ छत्तीसगढ़ की शिल्प परंपरा और पीढ़ियों से संजोए गए हुनर को सोमवार को राष्ट्रपति भवन में विशेष पहचान मिली। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने प्रदेश के कोंडागांव और रायगढ़ से पहुंचे 50 बेलमेटल शिल्पकारों से मुलाकात की। पारंपरिक बेलमेटल शिल्पकला को जीवंत बनाए रखने वाले इन कलाकारों के लिए यह एक गौरवपूर्ण अवसर रहा। राष्ट्रपति भवन में हुई इस विशेष मुलाकात ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक कारीगरी और शिल्पकारों की पीढ़ियों की साधना को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत और सचिव श्री राजेश सिंह राणा भी उपस्थित रहे।



छत्तीसगढ़ के 50 बेलमेटल शिल्पकारों का प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली में राष्ट्रपति से मुलाकात की

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत कोंडागांव एवं रायगढ़ के बेलमेटल शिल्पकारों से भेंट करने की इच्छा व्यक्त की थी। इसी क्रम में शिल्पकारों का प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली पहुंचा और राष्ट्रपति से मुलाकात की। छत्तीसगढ़ की बेलमेटल कला, विशेष रूप से बस्तर की प्रसिद्ध ढोकरा शिल्प परंपरा, अपनी विशिष्ट निर्माण शैली और बारीक कारीगरी के लिए जानी जाती है। धातु से तैयार देवी-देवताओं, पशु-पक्षियों, लोकजीवन और पारंपरिक आकृतियों में प्रदेश की जनजातीय संस्कृति की गहरी छाप दिखाई देती है। कोंडागांव के शिल्पकार पीढ़ियों से इस कला को संरक्षित करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए हैं।

छत्तीसगढ़ प्रदेश की जीवंत हस्तशिल्प परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने की महत्वपूर्ण पहल

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति भवन में देश के विभिन्न क्षेत्रों के पारंपरिक कलाकारों और शिल्पकारों को अपनी कला एवं सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करने के अवसर मिलते रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के शिल्पकारों की यह मुलाकात प्रदेश की जीवंत हस्तशिल्प परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने की महत्वपूर्ण पहल है।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि और पारंपरिक कारीगरी की विशिष्ट पहचान

यह अवसर उन शिल्पकारों के लिए विशेष महत्व रखता है, जो पीढ़ियों से प्राप्त पारंपरिक ज्ञान, कौशल और कलात्मक विरासत को आज भी जीवंत बनाए हुए हैं। राष्ट्रपति भवन तक उनकी पहुंच छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि और पारंपरिक कारीगरी की विशिष्ट पहचान को रेखांकित करती है।

छत्तीसगढ़ की बेटियों ने कबड्डी के मैदान में दिखाया दमखम, राजनांदगांव ने जीता राज्य स्तरीय चैंपियनशिप का खिताब

26वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का शानदार समापन, रोमांचक फाइनल में बिलासपुर को हराकर राजनांदगांव बना विजेता

जनता के गोठ- रायपुर

रायपुर, 16 नवंबर 2026/ छत्तीसगढ़ की बेटियों ने कबड्डी के मैदान में अपनी प्रतिभा, साहस, फुर्ती और अद्भुत खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया कि खेल के क्षेत्र में भी प्रदेश की बालिकाएं निरंतर नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हैं। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के फिजिकल कॉलेज मैदान, पेण्ड्रा में आयोजित तीन दिवसीय 26वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय जूनियर बालिका कबड्डी चैंपियनशिप 2026 का रविवार को उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता के रोमांचक फाइनल मुकाबले में राजनांदगांव की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बिलासपुर को पराजित कर राज्य स्तरीय चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। बिलासपुर की टीम उपविजेता रही, जबकि मेजबान गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले ने तीसरा तथा रायपुर जिले ने चौथा स्थान प्राप्त किया।

13 से 15 नवंबर तक आयोजित इस प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 26 जिलों की टीमों के कुल 364 बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। तीन दिनों तक चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा, शारीरिक क्षमता, रणनीतिक कौशल और सामूहिक समन्वय का उत्कृष्ट परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के जोश और उत्साह ने दर्शकों को रोमांचित किया। विशेष रूप से अंतिम दिन खेले गए फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।



रोमांचक फाइनल मुकाबले में राजनांदगांव ने मारी बाजी

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला राजनांदगांव और बिलासपुर की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने खिताब हासिल करने के लिए पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुकाबले के दौरान खिलाड़ियों की फुर्ती, मजबूत रक्षात्मक रणनीति, आक्रामक खेल और आपसी तालमेल ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। राजनांदगांव की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बिलासपुर को पराजित कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। बिलासपुर की टीम ने भी उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का स्थान हासिल किया। वहीं मेजबान गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया। रायपुर जिले की टीम चौथे स्थान पर रही।

प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई बालिका खिलाड़ियों ने साबित किया कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कहा कि गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले को राज्य स्तरीय जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिलना अत्यंत गौरव की बात है। इस आयोजन से जिले की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों की खिलाड़ियों को एक-दूसरे से सीखने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर मिला है। कलेक्टर ने कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं होते, बल्कि ये जीवन में अनुशासन, धैर्य, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। खेल के मैदान में मिली सीख जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रत्येक खिलाड़ी बधाई की पात्र है।



जीतने वाली टीमों के लिए यह उपलब्धि आगे बढ़ने की प्रेरणा है, वहीं अन्य टीमों को भी अपने अनुभवों से सीख लेकर भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करना चाहिए।

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने विजेता राजनांदगांव, उपविजेता बिलासपुर तथा तीसरा और चौथा स्थान प्राप्त करने वाली टीमों सहित सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए निरंतर अभ्यास और मेहनत के साथ खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने प्रतियोगिता के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए जिला कबड्डी संघ, आयोजन समिति तथा सहयोगी अधिकारियों-कर्मचारियों की सराहना की।

हार से निराश नहीं, सीख लेकर आगे बढ़ें खिलाड़ी : श्री राकेश जालान

जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष एवं नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा के अध्यक्ष श्री राकेश जालान ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल जीवन में संघर्ष, अनुशासन, धैर्य और सफलता की प्रेरणा देता है। जीत और हार खेल के दो अभिन्न पहलू हैं। जीत से आत्मविश्वास बढ़ता है, जबकि हार हमें अपनी कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने और अधिक मेहनत करने का अवसर प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि किसी भी खिलाड़ी को हार से निराश नहीं होना चाहिए। हार से मिली सीख ही भविष्य की बड़ी जीत का आधार बनती है। निरंतर अभ्यास, कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के माध्यम से खिलाड़ी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

श्री जालान ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं युवा प्रतिभाओं को अपनी क्षमता पहचानने और आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, खेल संगठनों और नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

खेल के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं बेटियां : श्री मुकेश दुबे

नगर पालिका परिषद गौरेला के अध्यक्ष श्री मुकेश दुबे ने समापन समारोह में खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज बेटियां शिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों में बालिकाओं की बढ़ती भागीदारी उत्साहजनक है।

खबर-खास

चारगांव में रंगाई-पुताई के नाम पर 28 हजार 200 रुपये आहरण का आरोप, काम अब तक अधूरा

आयुष्मान आरोग्य मंदिर के नाम पर बिल भुगतान को लेकर उठे सवाल, सरपंच-सचिव की कार्यप्रणाली की जांच की मांग



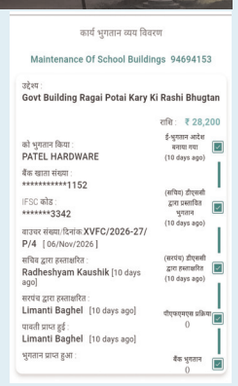

भुजबल बघेल

बकावंड जनता के गोठ। बकावंड विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चारगांव में शासकीय राशि के आहरण को लेकर एक नया मामला सामने आया है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं गवर्नमेंट बिल्डिंग की रंगाई-पुताई के नाम पर कथित रूप से फर्जी बिल लगाकर राशि निकालने का आरोप लगाया जा रहा है। इस मामले में ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गवर्नमेंट बिल्डिंग की रंगाई-पुताई कार्य के नाम पर पटेल हार्डवेयर के बिल के माध्यम से 28 हजार 200 रुपये का भुगतान अथवा आहरण किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि राशि निकालने के बावजूद आज तक भवन में रंगाई-पुताई का कार्य नहीं कराया गया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब मौके पर काम ही नहीं हुआ, तो किस आधार पर बिल प्रस्तुत कर शासकीय राशि का भुगतान कराया गया? वहीं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर के नाम पर भी बिल प्रस्तुत कर शासकीय राशि निकालने के आरोप लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने संबंधित बिलों, भुगतान अभिलेखों और कार्य की वास्तविक स्थिति का भौतिक सत्यापन कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बिना कार्य कराए सरकारी राशि का आहरण किया गया है, तो यह गंभीर वित्तीय अनियमितता का मामला है। उन्होंने संबंधित विभाग के उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कब जांच शुरू करता है और जांच में शासकीय राशि के आहरण को लेकर क्या तथ्य सामने आते हैं।

उत्तर प्रदेश से अवैध धान परिवहन पर कार्रवाई, धान से लदे 4 पिकअप जब्त कर थाना सनावल के सुपुर्द, 24 चेकपोस्ट से लगातार निगरानी



बलरामपुर (जनता के गोठ) : धान खरीदी के दौरान दूसरे राज्यों से धान के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश से अवैध रूप से धान लेकर आ रहे 4 पिकअप वाहनों को पकड़कर जब्त किया गया और आगे की कार्रवाई के लिए थाना सनावल के सुपुर्द किया गया। प्रकरण में छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर सीमावर्ती राज्यों से धान के अवैध प्रवेश को रोकने के लिए जिले में कुल 24 चेकपोस्ट बनाए गए हैं। इनमें रामानुजगंज विकासखंड में 10, वाड्रफनगर में 7, कुसमी में 4 और शंकरगढ़ में 3 चेकपोस्ट शामिल हैं। इन चेकपोस्टों पर तैनात अमले के साथ जिला व तहसील स्तरीय उड़नदस्ता दल लगातार निगरानी रख रहे हैं और संदिग्ध वाहनों की सघन जांच कर रहे हैं।

एम.जी. रोड चौपाटी पर प्रशासन की सख्ती: रात 9 से 1 बजे तक ही लगेंगी दुकानें, सड़क पर कुर्सी-टेबल लगाने और गंदगी फैलाने पर होगी स्थायी बंदी



रायपुर जनता के गोठ । राजधानी के एम.जी. रोड क्षेत्र में रात्रिकालीन चौपाटी के कारण उत्पन्न हो रही यातायात बाधा, अव्यवस्थित पार्किंग और गंदगी की शिकायतों के बाद पुलिस और नगर निगम प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार शाम 5 बजे यातायात सभागार में पुलिस कमिश्नरेट, नगर पालिक निगम, एम.जी. रोड व्यापारी संघ और चौपाटी संचालकों की एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में ट्रैफिक डीसीपी डॉ. अर्चना झा ने चौपाटी संचालन के लिए पूर्व में निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों के विरुद्ध न केवल वैधानिक कार्रवाई की जाएगी, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर उनकी अस्थायी चौपाटी को स्थायी रूप से बंद भी करा दिया जाएगा।

चौपाटी संचालकों के लिए तय किए गए प्रमुख नियम- बैठक में नागरिकों की सुविधा, सुगम यातायात और स्थायी व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित निर्देश जारी किए गए हैं:

- संचालन का समय: सभी चौपाटियां केवल रात 09:00 बजे से रात 01:00 बजे तक ही संचालित की जा सकेंगी।
- स्थायी दुकानदारों से विवाद पर रोक: स्थायी दुकानों के शटर बंद होने के बाद ही संबंधित स्थान पर चौपाटी लगाई जाएगी। किसी भी स्थायी दुकानदार पर दुकान जल्दी बंद करने के लिए दबाव बनाना या विवाद करना स्वीकार्य नहीं होगा।
- सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण प्रतिबंधित: ग्राहकों के बैठने के लिए सड़क, फुटपाथ या सार्वजनिक आवागमन के क्षेत्र में कुर्सी-टेबल लगाने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

चान्दो पुलिस की बड़ी कार्रवाई: भैंसों को बूचड़खाने ले जा रहे दो आरोपी गिरफ्तार, 12.27 लाख रुपये का वाहन सहित सामान जब्त



बलरामपुर (जनता के गोठ) : बलरामपुर जिले में पशु तस्करी के खिलाफ चान्दो पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच जीवित भैंस और एक मृत भैंस बरामद की है। मवेशियों को पिकअप वाहन में भरकर झारखंड के बूचड़खाने ले जाया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पिकअप और तस्करी में पायलेटिंग कर रही अर्टिगा कार सहित कुल 12 लाख 27 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 15 नवंबर की सुबह करीब 5 बजे सूचना मिली कि सामरी की ओर से एक पिकअप वाहन में भैंसों को भरकर क्रूरतापूर्वक झारखंड की ओर बूचड़खाने ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर थाना प्रभारी चान्दो निरीक्षक मनीष कुमार नेताम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी की। पुलिस ने ग्राम मगाजी के कंठीघाट तीनमोड़वा मेन रोड पर कार्रवाई करते हुए पिकअप वाहन को पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान पिकअप में सवार आरोपी वाहन छोड़कर फरार हो गए, जबकि तस्करी में पायलेटिंग कर रही अर्टिगा कार क्रमांक सीजी 16 सीआर 1658 में सवार दो आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नौसाद अंसारी (25 वर्ष), निवासी मानपुर, थाना रंका तथा समसीर अंसारी (21 वर्ष), निवासी मोमीनपुर, थाना रंका, जिला गढ़वा (झारखंड) के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से पांच जीवित एवं एक मृत भैंस बरामद की। इसके साथ ही पिकअप वाहन क्रमांक जे एच 03 एजे 8202, जिसकी कीमत 5 लाख रुपये तथा अर्टिगा कार, जिसकी कीमत 6 लाख रुपये आंकी गई है, जब्त की गई। बरामद मवेशियों की कीमत 1 लाख 27 हजार रुपये बताई गई है। इस तरह कुल 12 लाख 27 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, समय रहते की गई कार्रवाई से पांच जीवित भैंसों को बूचड़खाने ले जाने से बचा लिया गया। मामले में पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर दोनों आरोपियों को 15 नवंबर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

कार्रवाई में इनकी रही अहम भूमिका- इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार नेताम, सहायक उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, गिरीश सहाय तथा आरक्षक संदीप, अंकित जायसवाल, मुकेश सिदार, संतोष तिग्गा, विजय यादव एवं मदनेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कवर्धा में होटल नारायणी का खाद्य लाइसेंस 3 दिन के लिए निलंबित, किचन में मिली गंदगी



कवर्धा। जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए होटल नारायणी इंटरनेशनल रेस्टोरेंट का खाद्य लाइसेंस तीन दिनों के लिए निलंबित कर दिया है। निरीक्षण के दौरान होटल के किचन में साफ-सफाई की कमी और अस्वच्छता पाए जाने पर विभाग ने यह कार्रवाई की। साथ ही होटल प्रबंधन को सुधार सूचना (इम्प्रूवमेंट नोटिस) भी जारी किया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, 16 नवंबर 2026 को अभिहित अधिकारी मुकेश साहू के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार धृतलहरे एवं फणीभूषण जायसवाल ने होटल नारायणी इंटरनेशनल रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया।

इस दौरान किचन में अस्वच्छता की स्थिति पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की अनुसूची-4 के तहत कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान होटल में उपयोग किए जा रहे एवरप्लस कॉन्टिनेंटल सॉस और खुले पनीर का खाद्य नमूना लिया गया। वहीं, मां गोसिया बिरयानी सेंटर को सुधार सूचना जारी करते हुए मटन बिरयानी का नमूना जांच के लिए लिया गया। मौके पर अखाद्य रंग का उपयोग किए जाने के कारण करीब 5 किलो रोस्टेड चिकन को नष्ट कराया गया। विभाग के अनुसार, यह कार्रवाई मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायत और 15 दिवसीय सुरक्षित आहार अभियान के तहत किए गए निरीक्षण में मिली कमियों के आधार पर की गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि आम नागरिकों को सुरक्षित और स्वच्छ खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए आगे भी निरीक्षण और नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

सेवा सहकारी समिति झीट में धान खरीदी सत्र 2026-27 का विधिवत शुभारंभ

दुर्ग सांसद विजय बघेल और जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन की उपस्थिति में हुई पूजा-अर्चना; किसानों को दी गई शुभकामनाएं



जनता के गोठ झीट। सेवा सहकारी समिति मर्यादित झीट में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सत्र 2026-27 का रविवार, 15 नवंबर को विधिवत शुभारंभ किया गया। दुर्ग सांसद विजय बघेल और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन की प्रमुख उपस्थिति में पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ खरीदी प्रक्रिया की शुरुआत की गई।

अन्नदाता किसानों को दी गई शुभकामनाएं

शुभारंभ अवसर पर उपस्थित अतिथियों और समिति पदाधिकारियों ने क्षेत्र के सभी किसानों को धान खरीदी सत्र 2026-27 की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस दौरान समिति की ओर से 'अन्नदाता किसानों का सम्मान, हमारी समिति का अभिमान' के संकल्प के साथ सुचारू और पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही गई।

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व किसानों की रही उपस्थिति- इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य नीलम चंद्राकर, सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर, राजा पाठक, सेवा सहकारी समिति झीट के प्राधिकृत अध्यक्ष धर्मेंद्र कौशिक, झीट सरपंच रूपेंद्र राजू साहू और उफरा सरपंच गायत्री साहू विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में अजित ठाकुर, रमाकांत, मधुकांता साहू, हेमराज टंडन, जीवन साहू, अरुण कौशिक, तीरथ पटेल, नोडल अधिकारी आभा नेताम, समिति प्रभारी पुरुषोत्तम सिन्हा सहित समिति के समस्त कर्मचारी और बड़ी संख्या में स्थानीय किसान उपस्थित रहे।

धरसींवा में विधायक अनुज शर्मा ने 50 से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को किया सम्मानित

सेवा सदन में आयोजित समारोह में भेंट किए प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह; विधायक ने कहा- आंगनबाड़ी बहनें राष्ट्र निर्माण की पहली और मजबूत सीढ़ी



जनता के गोठ धरसींवा। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और नौनिहालों के पोषण व प्रारंभिक शिक्षा में अहम भूमिका निभाने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के सम्मान में स्थानीय सेवा सदन में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने क्षेत्र की 50 से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कुपोषण से जंग की असली योद्धा हैं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता : अनुज शर्मा- समारोह को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कुपोषण से जंग और भविष्य निर्माण की असली योद्धा हैं। उन्होंने कहा कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि गांव-गांव और घर-घर में स्वस्थ व शिक्षित समाज की नींव रखने वाली असली शक्ति और राष्ट्र निर्माण की सबसे पहली व मजबूत सीढ़ी हैं। विधायक ने कहा कि गर्भवती महिलाओं की देखभाल से लेकर कुपोषण मुक्ति अभियान, टीकाकरण और बच्चों को प्रारंभिक संस्कार देने तक आंगनबाड़ी बहनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विपरीत परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा से कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की सराहना की।

केंद्रों के सुदृढ़ीकरण और समस्याओं के त्वरित निराकरण का दिया भरोसा- विधायक शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार मातृशक्ति के सशक्तिकरण, कुपोषण मुक्ति और महिला एवं बाल विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और कार्यकर्ताओं की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह सम्मान कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज के प्रति उनके समर्पण के प्रति कृतज्ञता है।

सम्मान से बढ़ा मनोबल, जनप्रतिनिधि व अधिकारी रहे मौजूद- समारोह में सम्मानित हुई आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने विधायक अनुज शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सार्वजनिक मंच पर मान-सम्मान मिलने से उनका मनोबल बढ़ा है और वे दोगुने उत्साह के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगी। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष शकुंतला ढीलेंद्र सेन, उपाध्यक्ष दिनेश खूंटे, रुखमणी संतोष वर्मा, सरोज चंद्रवंशी, पूजा अश्वनी वर्मा, रुखमणी शिवारे, सुनील शर्मा सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाएं उपस्थित रहीं।

खेल मैदान में दिखा बस्तर की प्रतिभाओं का दम, तोकापाल में बस्तर ओलंपिक 2026 शुरू



ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर,।बस्तर की ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से सोमवार को तोकापाल में विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। आयोजन को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि ग्रामीण अंचलों में छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने और उन्हें अपनी पहचान बनाने का महत्वपूर्ण मंच है। इस आयोजन के माध्यम से युवाओं को अपनी खेल क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यहां से निकलने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ी भविष्य में जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर बस्तर का नाम रोशन करेंगे।

आयोजन के दौरान खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह और उमंग दिखाई दी। दर्शकों ने तालियों के साथ प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रामबती भंडारी, जिला पंचायत सदस्य सुश्री पदमनी कश्यप, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री रितेश जोशी एवं जनपद सदस्य श्री गंगाराम बघेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा क्षेत्र के सरपंचगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

छत्तीसगढ़ की बेटियों ने कबड्डी के मैदान में दिखाया दमखम, राजनांदगांव ने जीता राज्य स्तरीय चैंपियनशिप का खिताब

मेजबान गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले ने तीसरा और रायपुर ने चौथा स्थान हासिल कर बढ़ाया गौरव

रायपुर, 16 नवंबर 2026/ छत्तीसगढ़ की बेटियों ने कबड्डी के मैदान में अपनी प्रतिभा, साहस, फुर्ती और अद्भुत खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया कि खेल के क्षेत्र में भी प्रदेश की बालिकाएं निरंतर नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हैं। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के फिजिकल कॉलेज मैदान, पेण्ड्रा में आयोजित तीन दिवसीय 26वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय जूनियर बालिका कबड्डी चैंपियनशिप 2026 का रविवार को उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता के रोमांचक फाइनल मुकाबले में राजनांदगांव की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बिलासपुर को पराजित कर राज्य स्तरीय चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। बिलासपुर की टीम उपविजेता रही, जबकि मेजबान गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले ने तीसरा तथा रायपुर जिले ने चौथा स्थान प्राप्त किया।

13 से 15 नवंबर तक आयोजित इस प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 26 जिलों की टीमों के कुल 364 बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। तीन दिनों तक चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा, शारीरिक क्षमता, रणनीतिक कौशल और सामूहिक समन्वय का उत्कृष्ट परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के जोश और उत्साह ने दर्शकों को रोमांचित किया। विशेष रूप से अंतिम दिन खेले गए फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।

रोमांचक फाइनल मुकाबले में राजनांदगांव ने मारी बाजी

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला राजनांदगांव और बिलासपुर की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने खिताब हासिल करने के लिए पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुकाबले के दौरान खिलाड़ियों की फुर्ती, मजबूत रक्षात्मक रणनीति, आक्रामक खेल और आपसी तालमेल ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।

राजनांदगांव की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बिलासपुर को पराजित कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। बिलासपुर की टीम ने भी उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का स्थान हासिल किया। वहीं मेजबान गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया। रायपुर जिले की टीम चौथे स्थान पर रही।

प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई बालिका खिलाड़ियों ने साबित किया कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कहा कि गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले को राज्य स्तरीय जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिलना अत्यंत गौरव की बात है। इस आयोजन से जिले की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों की खिलाड़ियों को एक-दूसरे से सीखने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर मिला है।

कलेक्टर ने कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं होते, बल्कि ये जीवन में अनुशासन, धैर्य, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। खेल के मैदान में मिली सीख जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रत्येक खिलाड़ी बधाई की पात्र है। जीतने वाली टीमों के लिए यह उपलब्धि आगे बढ़ने की प्रेरणा है, वहीं अन्य टीमों को भी अपने अनुभवों से सीख लेकर भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करना चाहिए।

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने विजेता राजनांदगांव, उपविजेता बिलासपुर तथा तीसरा और चौथा स्थान प्राप्त करने वाली टीमों सहित सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए निरंतर अभ्यास और मेहनत के साथ खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने प्रतियोगिता के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए जिला कबड्डी संघ, आयोजन समिति तथा सहयोगी अधिकारियों-कर्मचारियों की सराहना की।

हार से निराश नहीं, सीख लेकर आगे बढ़ें खिलाड़ी : श्री राकेश जालान- जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष एवं नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा के अध्यक्ष श्री राकेश जालान ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल जीवन में संघर्ष, अनुशासन, धैर्य और सफलता की प्रेरणा देता है। जीत और हार खेल के दो अभिन्न पहलू हैं। जीत से आत्मविश्वास बढ़ता है, जबकि हार हमें अपनी कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने और अधिक मेहनत करने का अवसर प्रदान करती है।

खबर-खास

सिलतरा शराब दुकान सुपरवाइजर आत्महत्या मामला: कांग्रेस ने आबकारी विभाग पर लगाए वसूली के आरोप, न्यायिक जांच की मांग



जनता के गोठ

रायपुर, 16 नवंबर 2026। राजधानी रायपुर के सिलतरा स्थित एक सरकारी शराब दुकान के सुपरवाइजर प्रशांत वर्मा की आत्महत्या के मामले को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष दीपक बैज ने इस घटना को लेकर राज्य सरकार और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस ने इस मौत को 'अवैध वसूली के दबाव का परिणाम' बताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष न्यायिक जांच और दोषी अधिकारियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

मैदानी कर्मचारियों पर मानसिक दबाव का आरोप- प्रदेश कांग्रेस के संचार विभाग द्वारा जारी बयान में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने आरोप लगाया कि मृतक सुपरवाइजर प्रशांत वर्मा ने आत्महत्या से पूर्व जोनल आबकारी अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए थे। बैज का कहना है कि प्रदेश की सरकारी शराब दुकानों में तय एमआरपी (MRP) से अधिक कीमत पर शराब बेची जा रही है और इसके लिए निचले स्तर के कर्मचारियों व सुपरवाइजरों पर भारी मानसिक दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने इस घटना को सामान्य आत्महत्या के बजाय 'भ्रष्ट तंत्र द्वारा की गई हत्या' करार दिया।

3,870 करोड़ रुपये के घोटाले का दावा- शराब बिक्री में अनियमितता का आरोप लगाते हुए दीपक बैज ने बिक्री के आंकड़ों के आधार पर एक गणित भी पेश किया। उन्होंने दावा किया:

- सरकारी आंकड़ों के मुताबिक राज्य में प्रतिदिन लगभग 28 लाख 65 हजार बोतल शराब की बिक्री होती है।
- आरोप है कि हर ब्रांड की बोतल पर 10 से 60 रुपये तक अतिरिक्त राशि (ओवर-रेटिंग) वसूली जा रही है।
- कांग्रेस के दावे के अनुसार, इस दर से प्रतिदिन करीब 4.29 करोड़ रुपये, प्रतिमाह 129 करोड़ रुपये और सालाना 1,548 करोड़ रुपये की अवैध वसूली हो रही है।
- बैज ने आरोप लगाया कि पिछले ढाई वर्षों में कुल 3,870 करोड़ रुपये का ओवर-रेटिंग घोटाला हुआ है और इसी रकम के बंदरबांट व दबाव के कारण यह घटना हुई है।

हालिया निलंबन कार्रवाई को बताया 'लीपापोती'- अनियमितताओं के मामले में विभाग द्वारा हाल ही में कुछ अधिकारियों पर की गई निलंबन की कार्रवाई को दीपक बैज ने महज 'लीपापोती' बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बड़े अधिकारियों और सिंडिकेट को बचाने के लिए निचले स्तर के कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाया जा रहा है।

कांग्रेस की प्रमुख मांगें

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सरकार के सामने दो प्रमुख मांगें रखी हैं:

- सुपरवाइजर प्रशांत वर्मा की मौत और जोनल आबकारी अधिकारियों की भूमिका की उच्चस्तरीय या न्यायिक जांच कराई जाए।
- मामले में दोषी पाए जाने वाले जोनल अधिकारियों के खिलाफ तत्काल हत्या और भ्रष्टाचार की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

विकास कार्यों में लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं: 'सेवा संवाद यात्रा' से पहले विधायक अनुज शर्मा ने ली अधिकारियों की बैठक, 22 नवंबर से हर गांव में लगेगी जनचौपाल

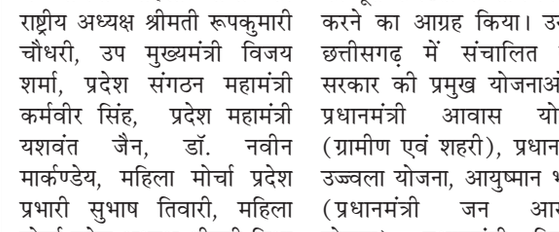

जनता के गोठ धरसींवा (रायपुर), 16 नवंबर 2026। धरसींवा विधानसभा क्षेत्र में आगामी 22 नवंबर से 24 दिसंबर 2026 तक आयोजित होने वाली 'सेवा संवाद यात्रा' की तैयारियों को लेकर विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा ने सोमवार को प्रशासनिक अमले की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। धरसींवा स्थित 'सेवा सदन' में आयोजित इस बैठक में विधायक ने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखी और अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक लेटलतीफी या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने विभागवार पूर्ण हो चुके, निर्माणाधीन और नवीन स्वीकृत कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में पूर्व में किए गए भूमिपूजन व लोकार्पण कार्यों तथा उनसे संबंधित विकास पट्टिकाओं की वर्तमान भौतिक स्थिति को लेकर अधिकारियों से जवाब-तलब किया।

बासेन में आज सजेगा गोपाष्टमी महोत्सव, सुरभि गौधाम में हुई भव्य तैयारियां

बलरामपुर (जनता के गोठ) :बासेन स्थित सुरभि गौधाम परिसर में आज मंगलवार को गोपाष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। रक्षा गौधाम फउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव को लेकर सोमवार को दिनभर परिसर में तैयारियां चलती रहीं। देर शाम तक कार्यकर्ता, गौ सेवक और ग्रामीण सजावट और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे रहे।

परिसर में मुख्य मंच, सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल, अतिथि दीर्घा और भंडारा स्थल को तैयार कर लिया गया है। फूल-माला, तोरण द्वार और लाइटिंग से पूरे परिसर को सजाया गया है। गौशाला में भी विशेष साफ-सफाई की गई है। गायों के बैठने, चारा-पानी और पूजन की अलग से व्यवस्था की गई है।

गौधाम में नवनिर्मित शेड को भी अंतिम रूप दे दिया गया है। आयोजकों के अनुसार इस शेड के बन जाने से गायों को धूप, बारिश और ठंड से बेहतर सुरक्षा मिलेगी। इसी शेड का उद्घाटन आज कार्यक्रम के दौरान किया जाएगा।

आज के कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 12 बजे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसमें स्थानीय कलाकार भजन, लोकगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। दोपहर 3 बजे अतिथियों का आगमन होगा।



इसके बाद 3.20 बजे नवनिर्मित शेड का उद्घाटन एवं 3.30 बजे अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया जाएगा। शाम को कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होगा। शाम 5 बजे गौ पूजन, गौ सेवा एवं महा आरती का आयोजन होगा। इस दौरान गायों को सजाकर उनकी विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके बाद शाम 6 बजे भव्य भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा।

गोपाष्टमी का पर्व गौ माता के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने पहली बार गायों को चराने के लिए वन में ले जाना प्रारंभ किया था। तभी से यह पर्व गौ सेवा और गौ संरक्षण के रूप में मनाया जाता है।

आयोजकों का कहना है कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गौ सेवा, गौ संरक्षण और गौशाला के विकास के प्रति लोगों को जागरूक करना है। गौधाम में वर्तमान में बड़ी संख्या में गायों की सेवा की जा रही है, जिनमें कई निराश्रित और बीमार गायें भी शामिल हैं।

कार्यक्रम को लेकर आसपास के गांवों में भी उत्साह देखा जा रहा है। बासेन सहित राजपुर क्षेत्र के ग्रामीणों में महोत्सव को लेकर खासा उत्साह है। आज के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, गौ सेवकों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के शामिल होने की संभावना है।

आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर गौ पूजन और भंडारा का प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

श्री रामलला दर्शन योजना से साकार हो रहा हजारों श्रद्धालुओं का सपना, राजनांदगांव से अयोध्या धाम के लिए विशेष ट्रेन रवाना

रायपुर, 16 नवंबर 2026/ छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी श्री रामलला दर्शन योजना प्रदेश के हजारों श्रद्धालुओं के लिए आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक आनंद की अनुपम सौगात बन रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं का अयोध्या धाम में प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का सपना निरंतर साकार हो रहा है। इसी क्रम में आज 16 नवंबर को राजनांदगांव रेलवे स्टेशन से श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत विशेष ट्रेन अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर रेलवे स्टेशन का वातावरण श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा। तीर्थयात्रियों के चेहरों पर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन की खुशी और उत्सुकता स्पष्ट दिखाई दी। राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा, राजनांदगांव के महापौर श्री मधुसूदन यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, श्री कोमल सिंह राजपूत, पूर्व सांसद श्री प्रदीप गांधी एवं श्री खुबचंद पारख ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर विशेष ट्रेन को अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने तीर्थयात्रियों को सुखद, मंगलमय और सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में श्रद्धालुओं को मिल रहा श्री रामलला के दर्शन का अवसर- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव



साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित श्री रामलला दर्शन योजना प्रदेशवासियों की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक भावनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की यात्रा कर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। भगवान श्रीराम का छत्तीसगढ़ से गहरा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध रहा है। छत्तीसगढ़ को भगवान श्रीराम का ननिहाल माना जाता है। यहां के जनजीवन, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक विरासत में भगवान श्रीराम के प्रति अगाध श्रद्धा समाहित है। ऐसे में श्री रामलला दर्शन योजना प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखती है। राज्य सरकार की इस पहल से उन श्रद्धालुओं को भी अयोध्या धाम की यात्रा करने का अवसर मिल रहा है, जिनके लिए विभिन्न कारणों से स्वयं तीर्थयात्रा की व्यवस्था करना कठिन होता है। यह योजना श्रद्धालुओं की धार्मिक आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपराओं को भी सशक्त बना रही है।

अब तक 64 विशेष ट्रेनों से लगभग 54 हजार 400 श्रद्धालु कर चुके हैं श्री रामलला के दर्शन- श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ से अयोध्या धाम की तीर्थयात्रा निरंतर जारी है। योजना के तहत अब तक कुल 64 विशेष ट्रेनों के माध्यम से लगभग 54 हजार 400 श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुंचकर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त कर चुके हैं। यह उपलब्धि प्रदेश में योजना के व्यापक क्रियान्वयन और श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था को दर्शाती है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से श्रद्धालुओं को विशेष ट्रेनों के माध्यम से अयोध्या धाम की यात्रा कराई जा रही है। योजना के प्रति श्रद्धालुओं में लगातार उत्साह देखा जा रहा है। प्रदेश के हजारों श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या धाम की यात्रा जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण आध्यात्मिक अनुभव है। प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का अवसर मिलने से श्रद्धालुओं की वर्षों पुरानी अभिलाषा पूरी हो रही है।

दुर्ग रेलवे स्टेशन पर तीर्थयात्रियों का उत्साहपूर्ण स्वागत- राजनांदगांव से रवाना हुई श्री रामलला दर्शन विशेष ट्रेन के दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचने पर तीर्थयात्रियों का उत्साहपूर्ण स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

जनजातीय गौरव दिवस पर बेमेतरा में दिखी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की अनुपम झलक

भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष, त्याग और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत: सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा



रायपुर, 16 नवंबर 2026/ धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की स्मृति में जिला मुख्यालय बेमेतरा के टाउन हॉल सिंघौरी में जनजातीय गौरव दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली इतिहास, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत की मनमोहक झलक देखने को मिली। जनजातीय लोकगीतों, लोकनृत्यों, पारंपरिक वाद्ययंत्रों और आकर्षक वेशभूषा से पूरा परिसर सांस्कृतिक रंगों में सराबोर रहा। इस अवसर पर शिक्षा, खेल, कला, संस्कृति, समाजसेवा एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली जनजातीय प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उनके गौरवशाली इतिहास और बलिदान को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष करते हुए जनजातीय समाज को संगठित किया और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए उलगुलान का आह्वान किया। उनका जीवन त्याग, साहस, स्वाभिमान और देशभक्ति का अनुपम उदाहरण है।

सांसद श्रीमती वर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज ने सदियों से जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं को समृद्ध बनाया है। देश की विविध जनजातीय संस्कृतियां भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करती हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के महान क्रांतिकारी शहीद वीर नारायण सिंह, गेंदसिंह और गुंडाधूर के योगदान को याद करते हुए कहा कि इन वीरों का बलिदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बस्तर से नक्सलवाद समाप्त करने के लिए प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं तथा क्षेत्र में शांति, विश्वास और विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जनजातीय समाज के शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार और कौशल विकास के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

जनजातीय संस्कृति और लोकनृत्यों ने मोहा दर्शकों का मन- कार्यक्रम में जनजातीय कलाकारों ने गोंडी, हल्बी और बिंझवारी सहित विभिन्न लोकनृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। मांदर और झांझ की थाप पर कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्कूली बालिकाओं ने जनजातीय लोकगीतों पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। पारंपरिक वेशभूषा एवं आभूषणों से सुसज्जित महिलाओं और युवाओं ने जनजातीय संस्कृति की विशिष्ट पहचान को जीवंत किया।

किसान की मेहनत का हर दाना अनमोल: मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े



बलरामपुर (जनता के गोठ) : महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आज बलरामपुर धान उपार्जन केंद्र पहुंचकर खरीदी व्यवस्था और किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। केंद्र में उन्होंने परंपरा के अनुरूप तौल मशीन की विधिवत पूजा-अर्चना की और धान बेचने पहुंचे कृषक बंधुओं का तिलक लगाकर व माला पहनाकर सम्मान किया। उन्होंने किसानों को शुभकामनाएं दीं और उनके बीच बैठकर तौल, टोकन, भुगतान तथा केंद्र की व्यवस्थाओं के बारे में आत्मीयता से चर्चा की।

किसानों से बातचीत करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि धान का हर दाना किसान के महीनों के पसीने, धैर्य और उम्मीदों से तैयार होता है। जब किसान अपनी उपज लेकर उपार्जन केंद्र आता है, तो उसके साथ परिवार के सपने और आने वाले दिनों की जरूरतें भी जुड़ी होती हैं। इसलिए हमारी जिम्मेदारी है कि किसान को केंद्र में कोई परेशानी न हो, उसका धान सही तौल के साथ खरीदा जाए और उसे मेहनत का पूरा मूल्य समय पर मिले। उन्होंने कहा कि किसानों का मान ही छत्तीसगढ़ की शान है और राज्य सरकार अन्नदाताओं के सम्मान व समृद्धि के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने केंद्र में तौल व्यवस्था, नमी जांच, बारदाना, स्टैकिंग, पेयजल और छाया जैसी सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और समिति कर्मचारियों को निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्र पहुंचे किसानों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए, तौल पारदर्शी ढंग से की जाए और किसी भी किसान को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ तक धान खरीदा जा रहा है। उपार्जन केंद्रों में प्रति बोरा 40 किलोग्राम धान की भर्ती की जा रही है। नए जूट बारदाने का वजन 545 से 626 ग्राम तक मान्य है, और धान में नमी अधिकतम 17 प्रतिशत तक स्वीकार्य है।

भाजपा महिला मोर्चा की दो दिवसीय कार्यसमिति राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपकुमारी की उपस्थिति में प्रारंभ

जनता के गोठ रायपुर। नया रायपुर स्थित जैमन मानस भवन में आज भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, डॉ. नवीन मार्कण्डेय, महिला मोर्चा प्रदेश प्रभारी सुभाष तिवारी, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विभा अवस्थी सहित महिला मोर्चा की पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहीं।

भाजपा हर परिस्थिति में देशहित को सर्वोपरि रखती है - श्रीमती रूपकुमारी चौधरी - बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है, जो हर परिस्थिति में देशहित को सर्वोपरि रखती है। उन्होंने महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपने दायित्वों का पूरी कर्मठता के साथ निर्वहन करने का आग्रह किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ में संचालित केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं - प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी), प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना), प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन (हर घर जल), प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, लखपति दीदी एवं ड्रोन दीदी योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना - से कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। इसके साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही



जनकल्याणकारी योजनाओं - महतारी वंदन योजना, कृषक उन्नति योजना, दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना, रानी दुर्गावती योजना, श्री रामलला दर्शन योजना, तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा एवं बोनस योजना, उद्यम क्रांति योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना, सौर सुजला योजना और महतारी शक्ति ऋण योजना - का भी प्रमुखता से उल्लेख किया।

भाजपा सरकार महिला सशक्तिकरण को केवल नारा नहीं, बल्कि संकल्प मानकर कार्य कर रही है - विजय शर्मा- उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार महिला सशक्तिकरण को केवल नारा नहीं, बल्कि संकल्प मानकर कार्य कर रही है। राज्य सरकार द्वारा संचालित महिला हितैषी



योजनाओं ने प्रदेश की बहनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने महतारी वंदन योजना, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना, महतारी शक्ति ऋण योजना, रानी दुर्गावती योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक मजबूती, सुरक्षा और सम्मान मिला है। श्री शर्मा ने कहा कि महिला मोर्चा की कार्यकर्ता ही इन योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का सबसे सशक्त माध्यम हैं। जब महिला मोर्चा की बहनें क्षेत्र में जाकर योजनाओं की जानकारी देती हैं, तो उसका सीधा लाभ जरूरतमंद महिलाओं तक पहुंचता है। उन्होंने महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बूथ स्तर तक प्रवास कर, जनसंपर्क कर सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को हर घर तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिवेश में महिला मोर्चा की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

संगठन में अनुशासन, समन्वय और निरंतर संवाद ही सफलता की कुंजी है - कर्मवीर सिंह- प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि महिला मोर्चा भाजपा संगठन की सबसे सशक्त और अनुशासित इकाई है। संगठन की मजबूती का आधार बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता है और इसमें महिला मोर्चा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं को बूथ तक संगठन को मजबूत करने, प्रवास करने और हर घर तक केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का कार्य पूरी निष्ठा से करना होगा। संगठन में अनुशासन, समन्वय और निरंतर संवाद ही सफलता की कुंजी है।

जनकल्याणकारी योजनाओं को हर घर तक पहुंचाना हमारा संकल्प - **श्रीमती विभा अवस्थी**- भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विभा अवस्थी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि महिला मोर्चा पार्टी की एक महत्वपूर्ण इकाई है, जो केंद्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करती है। श्रीमती अवस्थी ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर घर तक पहुंचाने के लिए महिला मोर्चा लगातार जनसंपर्क करती है और इसके परिणामस्वरूप आज केंद्र एवं राज्य सरकार की कई योजनाओं का लाभ महिला शक्ति को मिल रहा है।

शिक्षा से ही आदिवासी समाज का उज्ज्वल भविष्य, एकता और विकास से मजबूत होगी पहचान : सांसद बृजमोहन अग्रवाल





रायपुर/बलौदाबाजार-भाटापारा जनता के गोठ जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर सोमवार को बलौदाबाजार में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सांसद श्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में आदिवासी समाज की एकता, संस्कृति और विकास पर जोर देते हुए कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए नई पीढ़ी को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा आदिवासी समाज के बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह और वीर गुंडाधुर जैसे महान जननायकों के संघर्ष और बलिदान की गाथाएँ समाज के हर बच्चे तक पहुँचनी चाहिए, ताकि नई पीढ़ी अपने गौरवशाली इतिहास, पूर्वजों और संस्कृति पर गर्व कर सके। श्री अग्रवाल ने आदिवासी समाज की अलग-अलग आस्थाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान का सम्मान करते हुए एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने नक्सलवाद को आदिवासी अंचलों के विकास की बड़ी बाधा बताते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने मिलकर छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद के समूल खात्मे की दिशा में निर्णायक प्रयास किए हैं। अपनी राह से भटके युवाओं को समाज की मुख्यधारा में वापस लाने और उनके पुनर्वास के लिए भी अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। माओवादी आंदोलन से जुड़े युवाओं को सम्मानजनक जीवन, विकास के अवसर और बेहतर भविष्य उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना, महतारी वंदन योजना एवं आदिवासी विद्यार्थियों के लिए संचालित विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आदिवासी समाज के सम्मान, अधिकार, संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास एवं रोजगार की सुविधाएँ उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

दूरस्थ वनांचलों में सोलर ऊर्जा से पहुँचेगी बिजली- दुर्गम वनांचलों में बिजली की समस्या पर सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि जहाँ बिजली के तार पहुँचाना कठिन है, वहाँ सोलर ऊर्जा के माध्यम से बिजली उपलब्ध कराई जा सकती है। जिन गाँवों में अभी सोलर सुविधा नहीं है, वहाँ भी भविष्य में बिजली पहुँचाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने दूरस्थ वनांचलों में बिजली की समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर शहीद वीर नारायण सिंह के वंशज श्री राजेंद्र दीवान एवं सर्व आदिवासी समाज के जिलाध्यक्ष श्री भूपेंद्र ध्रुववंशी ने जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन तथा आदिवासी संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण के प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया।

युवाओं, विद्यार्थियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान- कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं, प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्री अशोक जैन, पूर्व विधायक श्री शिवरतन शर्मा,कलेक्टर कुलदीप शर्मा,भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में आदिवासी भाई -बहन उपस्थित रहे।

महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ कमिश्नर राकेश शर्मा से मुलाकात कर समस्याओं का निराकरण की मांग की



रायपुर। महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ का प्रतिनिधि मंडल नगर पालिक निगम के नए जोन कमिश्नर 5 राकेश शर्मा से मुलाकात कर पुष्पगुच्छ से सम्मान कर ज्ञापन सोपा। प्रमुख समस्याओं को लेकर सार्थक चर्चा हुई जिसमें लाखे नगर चौक से रायपुरा ब्रिज तक सभी दुकानों की आगे मार्किंग की जाए जिस दुकानदार अपने दायरे में रहकर व्यवसाय कर सके। ठेले खोमचे बालों को वेंडिंग जोन बनाकर व्यवस्थित किया जाए, ग्राहकों की खरीदारी में आने वाली महिलाओं के लिए रोहिणी पुरम तालाब के पास पिंक टॉयलेट बनाया जाए, सुंदर स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत लाखे नगर चौक का सौंदर्य करण किया जाए, डिवाइडर पर पेड़ पौधे लगाकर रेलिंग लगाया जाए बरसों पुराने स्ट्रीट लाइट को बदलकर नया लगाकर उस पर पेंट किया जाए, बाजारों में बढ़ती हुई भीड़ को देखते हुए सीसीटीवी कैमरा एवं यातायात दवाब लगातार बढ़ते जा रहा है कुछ स्थानों पर फाइबर स्पीड ब्रेकर लगाया जाए। व्यापारी संघ ने यह भी मांग रखी की सिटी कार्ट कपड़े की दुकान जिस पर जुर्माना लगाकर माफ कर दिया गया है जो नियमअनुसार गलत है अब वह निर्माण अवैध पार्किंग होने के साथ-साथ दुकान का कचरा नाली में डाला जाता है जिस पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए निगम द्वारा कोई भी करवाई शिकायत होने के बावजूद नहीं की जाती कुछ स्थानों पर पेयजल वाल्व का चैंबर बहुत ही घटिया बना हुआ है जिसे मोटी लोहे की चादर से बनाया जाए। पूर्व में दुर्घटना हो चुकी है क्षेत्र पर लगाए गए पेवर्स जो उखाड़ना शुरू हो गया है उसे बनाया जाए कुछ स्थान अनमोल ज्वेलर्स से लेकर लाखे नगर चौक तक पेवर्स नहीं लगा है उसे शीघ्र लगाया जाए लाखे नगर से रायपुर ब्रिज तक दोनों ओर नालियों की सफाई कई महीनो से नहीं की गई है जिसे गैंग लगाकर करवाई जाए कुछ दुकानदारों द्वारा कचरा नाली पर डाला जाता है जिस पर जुर्माना की कड़ी कार्यवाही की जाए व्यापारियों ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साहू से की है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पर्यटन की धूम, देश-विदेश के पर्यटकों को लुभा रही प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति



रायपुर, 16 नवंबर 2026/ नई दिल्ली के भारत मंडपम, प्रगति मैदान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2026 में छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय परंपराओं और पर्यटन की अपार संभावनाओं की आकर्षक झलक देखने को मिल रही है। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा मेले में प्रभावी सहभागिता करते हुए प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों, ग्रामीण पर्यटन, साहसिक पर्यटन और पर्यटन सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। मेले में स्थापित छत्तीसगढ़ पर्यटन के स्टॉल पर बड़ी संख्या में पर्यटक, आगंतुक और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े प्रतिनिधि पहुंचकर प्रदेश के पर्यटन स्थलों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, जलप्रपातों, वन्यजीव अभयारण्यों, ऐतिहासिक धरोहरों और विशिष्ट जनजातीय संस्कृति के प्रति पर्यटकों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा भारत मंडपम के हॉल एच-4, प्रथम तल पर स्थापित पर्यटन स्टॉल के माध्यम से प्रदेश की पर्यटन विशेषताओं को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। यहां आने वाले आगंतुकों को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों, पर्यटन मंडल द्वारा संचालित रिसॉर्ट, आवासीय सुविधाओं और विभिन्न पर्यटन गतिविधियों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। पर्यटन मंडल की इस पहल का उद्देश्य छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना तथा अधिक से अधिक पर्यटकों को प्रदेश भ्रमण के लिए आकर्षित करना है।

ग्रामीण पर्यटन और होमस्टे नीति से स्थानीय लोगों को मिलेगा रोजगार का अवसर- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा ग्रामीण पर्यटन को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। प्रदेश के ग्रामीण एवं जनजातीय अंचलों में पर्यटन की व्यापक संभावनाओं को सामने लाते हुए पर्यटकों को गांवों की प्राकृतिक सुंदरता, पारंपरिक जीवनशैली, स्थानीय खानपान, लोककला, हस्तशिल्प और जनजातीय संस्कृति से परिचित कराया जा रहा है। छत्तीसगढ़ की ग्रामीण पर्यटन एवं होमस्टे नीति के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार करने और स्थानीय समुदायों को पर्यटन आधारित आजीविका से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस पहल से ग्रामीण युवाओं, महिलाओं, स्थानीय कारीगरों और जनजातीय समुदायों के लिए स्वरोजगार एवं आय के नए अवसर विकसित करने की संभावनाएं बढ़ेंगी। साथ ही पर्यटकों को ग्रामीण परिवेश में रहकर छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।

पर्यटकों के लिए विशेष सौगात, रिसॉर्ट बुकिंग पर 30 प्रतिशत की छूट- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में पर्यटकों को छत्तीसगढ़ भ्रमण के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा विशेष आकर्षक प्रस्ताव भी दिया जा रहा है। मेले के दौरान छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के स्टॉल पर पहुंचकर पर्यटन मंडल के रिसॉर्ट में बुकिंग कराने वाले पर्यटकों एवं आगंतुकों को 30 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। यह विशेष प्रस्ताव 14 नवंबर से 27 नवंबर 2026 तक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले की अवधि में उपलब्ध रहेगा। इस पहल का उद्देश्य अधिक से अधिक पर्यटकों को छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिए प्रेरित करना तथा पर्यटन मंडल के रिसॉर्ट और आवासीय सुविधाओं के प्रति आकर्षण बढ़ाना है। पर्यटन मंडल द्वारा प्रदान की जा रही इस विशेष छूट से पर्यटकों को छत्तीसगढ़ भ्रमण की योजना बनाने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार और पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा देने में भी सहायता मिलेगी।

कुदरत भी नहीं चाहती कि आदिवासी विरोधी भाजपा के फर्जी इवेंट में उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष शामिल हों, इसलिए नहीं पहुंचे नितिन नबीन -दीपक बैज

डबल इंजन सरकार में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के 'अबुआ राज' के सपनों का हो रहा चीरहरण



रायपुर जनता के गोठ भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर पावन स्मरण करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि कुदरत भी नहीं चाहती कि आदिवासी विरोधी भाजपा के फर्जी सरकारी इवेंट में उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष शामिल हों, इसलिए धरमजयगढ़ के कार्यक्रम में नितिन नबीन नहीं पहुंचे। भगवान बिरसा मुंडा के द्वारा दिए गए ÷अबुआ दिशुम, अबुआ राज÷ के संकल्प को सामने रखते हुए, दीपक बैज ने वर्तमान भाजपा सरकार की जनविरोधी, आदिवासी-विरोधी और पूंजीपति-परस्त नीतियों के खिलाफ सवाल उठाये, आज पूरा देश और विशेषकर छत्तीसगढ़ धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के संघर्षों को याद कर रहा है, लेकिन विडंबना देखिए कि आज छत्तीसगढ़ की डबल इंजन सरकार भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों के ठीक विपरीत काम कर रही है। आज सत्ता और सेठों का गठजोड़ मिलकर हमारे आदिवासियों की जल, जंगल और जमीन को उद्योगपतियों के हाथों बेच रहा है। कांग्रेस पार्टी भगवान बिरसा मुंडा के उस 'उलगुलान' क्रांति की प्रेरणा को लेकर इस दमनकारी, बहरी और अंधी भाजपा सरकार के खिलाफ सड़क से सदन तक आर-पार की लड़ाई लड़ेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा सरकार प्रदेशभर में जनजातीय गौरव और आदिवासी कल्याण के झूठे ढोल पीटती है, लेकिन हकीकत यह है कि आज छत्तीसगढ़ के जंगलों को चंद उद्योगपति मित्रों और कारपोरेट घरानों के हवाले किया जा रहा है। जल, जंगल, जमीन पर आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों पेसा कानून और वन अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त अधिकारों को कुचला जा रहा है। आज इस सरकार में आदिवासी वनोपज संग्राहक खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। पेड़-पौधों की अंधाधुंध कटाई और खनिजों की अंधेरगर्दी से बस्तर से लेकर सरगुजा तक जल, थल और पर्यावरण संकट में पड़ गया है। भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर राजनीति करने वाले लोग आज मोदी के मित्र सेठों की तिजौरी भरने के लिए आदिवासियों का खून बहा रहे हैं, नए-नए खदानें खोलने के लिए प्रशासनिक आतंक के जरिए आदिवासियों को उनकी ही पुश्तैनी जमीनों से बेदखल कर रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भगवान बिरसा मुंडा ने लगान माफी और जल-जंगल-जमीन की लूट के खिलाफ उलगुलान किया था, आज छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार उसी जनविरोधी और पूंजीवादी ताकतों के हाथों की कठपुतली बनकर हमारे संसाधनों को लुटवा रही है। अबुआ दिशुम, अबुआ राज का नारा सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों के जन्मसिद्ध अधिकार का प्रतीक है। भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ की अस्मिता और माटी के सपूतों के संघर्षों का अपमान कर रही है।

जनजातियों के साथ किए गए छल और उपेक्षा के लिए कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत आदिवासी समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें : अनुराग अग्रवाल



रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अनुराग अग्रवाल ने कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत के तीन दिवसीय सरगुजा दौरे को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। श्री अग्रवाल ने कहा कि आदिवासियों के साथ किए गए छल और उपेक्षा के लिए सुखदेव भगत को सरगुजा दौरे के दौरान आदिवासी समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री अग्रवाल ने सोमवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि सुखदेव भगत को सरगुजा दौरे के समय आदिवासी समाज से माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि कांग्रेस ने हमेशा आदिवासियों को केवल वोट बैंक समझा और उनके विकास के लिए कोई ठोस कार्य नहीं किया। श्री अग्रवाल ने कहा कि 2003 से 2018 तक के जनादेश का हवाला देते हुए चुनावी आँकड़ों का जिक्र किया और कहा कि सन् 2018 के विधानसभा चुनाव में सरगुजा क्षेत्र की जनता ने कांग्रेस को भरपूर समर्थन दिया था। लेकिन सत्ता में आने के बाद कांग्रेस ने क्षेत्र का विकास नहीं किया, जिसके परिणामस्वरूप 2023 के चुनाव में सरगुजा के पूरे समाज ने भाजपा का साथ दिया। श्री अग्रवाल ने कहा कि आज भाजपा ने आदिवासी समाज के श्री विष्णुदेव साय को पूरे प्रदेश के नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी है।

कांग्रेस पर आदिवासी अस्मिता के अपमान का आरोप लगाते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि जब भाजपा ने देश के सर्वोच्च पद (राष्ट्रपति) के लिए आदिवासी समाज की बेटी द्रौपदी मुर्मू को प्रत्याशी बनाया, तब आदिवासी समाज के सहयोग से 2018 में सरकार बनाने वाली कांग्रेस ने उनका समर्थन करने के बजाय विरोध किया। अभी 15 नवम्बर को धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती के कार्यक्रमों का कांग्रेस ने लगभग बहिष्कार किया और उस पर सवाल उठाए। श्री अग्रवाल ने बस्तर के विकास और नक्सलवाद पर कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाया। बस्तर क्षेत्र का उल्लेख करते हुए श्री अग्रवाल ने दावा किया कि दशकों से चला आ रहा नक्सलवाद का दंश भाजपा के शासनकाल में समाप्त हुआ है और अब वहाँ विकास की नई धारा बहने वाली है, लेकिन कांग्रेस इस पर भी सवाल खड़ा कर रही है। जनजाति समाज के विकास में बाधा बनने के कारण प्रभारी सुखदेव भगत जी को जनजाति समाज से माफी मांगनी चाहिए।

रायपुर में 29 नवंबर को छत्तीसगढ़ हास्य योग महासंघ का संयुक्त वार्षिकोत्सव, राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त संजय अग्रवाल और अंजय शुक्ला होंगे शामिल



रायपुर। हास्य योग के प्रचार-प्रसार और आमजन को इसके माध्यम से स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ हास्य योग महासंघ, रायपुर द्वारा 29 नवंबर 2026 को संयुक्त वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। यह आयोजन हास्य योग केंद्र भारत, दिल्ली और अंतरराष्ट्रीय हास्य योग गुरु जितेन कोही के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। इसमें हास्य योग केंद्र भारत की मीडिया सचिव एवं छत्तीसगढ़ हास्य योग महासंघ, रायपुर की पर्यवेक्षिका व संरक्षक राजू शर्मा के माध्यम से महासंघ के समस्त संचालकों, सहसंचालकों और हास्य योग साधकों का सहयोग मिल रहा है।

संजय अग्रवाल और अंजय शुक्ला होंगे शामिल

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त संजय अग्रवाल शामिल होंगे। वहीं, विशेष अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष और राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त अंजय शुक्ला उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे करेंगी।

हंसता भारत, स्वस्थ भारत है आयोजन का उद्देश्य

आयोजन का मुख्य उद्देश्य हास्य योग का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करना और इसके माध्यम से जन-जन तक स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना है। आयोजकों का लक्ष्य 'हंसता भारत, स्वस्थ भारत' के संदेश को साकार करना है, ताकि लोग हास्य योग को अपनाकर स्वस्थ और खुशहाल जीवन की ओर कदम बढ़ा सकें।

धान खरीदी में 15 जनवरी के बाद डीओ काटने के नियम पर भड़की कांग्रेस, बताया किसान और सहकारिता विरोधी नीति

प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने लगाया धान खरीदी सीमित करने की साजिश का आरोप; कहा— उठाव न होने से केंद्रों पर लगेंगे बोरियों के अंबार



रायपुर जनता के गोठ । छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की व्यवस्था और 15 जनवरी के बाद ही डीओ (डिलीवरी ऑर्डर) जारी करने के नियम को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने रविवार को बयान जारी कर इस नियम को अव्यावहारिक और किसान विरोधी करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण आज प्रदेश का अन्नदाता और सहकारी समितियों के कर्मचारी दोनों सड़क पर उतरने को मजबूर हैं।

शुक्ला ने दावा किया कि एक तरफ राज्य के आधे से अधिक उपार्जन केंद्रों में अब तक खरीदी शुरू नहीं हो पाई है, वहीं दूसरी तरफ खरीदी बंद होने के बाद 15 जनवरी से डीओ काटने का नियम बनाकर केंद्रों को संकट का अखाड़ा बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में खरीदी के 72 घंटे के भीतर उपार्जन केंद्रों से धान के उठाव का नियम था, जिसे वर्तमान सरकार ने बदल दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता के अनुसार, समय पर उठाव न होने से केंद्रों पर धान की बोरियों के अंबार लग जाएंगे और नई खरीदी के लिए जगह नहीं बचेगी, जिससे किसानों को अपना धान बेचने के लिए कड़ाके की ठंड में हफ्तों तक कतार में लगना पड़ेगा।

सूखत और सुरक्षा की चिंता से कर्मचारी परेशान-

सहकारी समितियों के कर्मचारियों की समस्या उठाते हुए सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि खुले में लंबे समय तक धान पड़े रहने से 'सूखत' (वजन में कमी) का भारी नुकसान होता है, जिसकी भरपाई का अनुचित दबाव समिति कर्मचारियों पर डाला जाता है। इसके अलावा बेमौसम बारिश, ठंड, चूहे, दीमक और मवेशियों से धान को सुरक्षित रखने की चिंता ने कर्मचारियों को आंदोलन की राह पर धकेल दिया है।

खरीदी की मात्रा कम करने की साजिश का आरोप

राज्य सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए शुक्ला ने आरोप लगाया कि समय पर डीओ जारी न करना प्रशासनिक अक्षमता और धान खरीदी की मात्रा को जानबूझकर कम करने का एक षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसान धान को अपनी अर्थव्यवस्था की रीढ़ और स्वाभिमान मानते हैं, ऐसे में कांग्रेस पार्टी किसानों और समिति कर्मचारियों के साथ हो रहे इस कथित अन्याय को बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस ने मांग की है कि सरकार प्रक्रिया के नाम पर किसानों को परेशान करना बंद करे और 15 जनवरी के बाद डीओ काटने के नियम को तत्काल वापस ले।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com